जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 242 प्रभात जालोर, मंगलवार 9 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'कांग्रेस ने सांप्रदायिक एजेंडा के तहत वंदे मातरम् के संक्षिप्त संस्करण को राष्ट्र गीत बनाया'

संसद में वंदे मातरम् पर बहस की शुरुआत करते हुए प्र.मंत्री मोदी ने कांग्रेस पर वंदे मातरम् का अपमान करने का आरोप लगाया

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में 'वन्दे मातरम्' की 150 वीं वर्षगांठ पर हुई चर्चा में कांग्रेस पर तीखा हमला किया और भारत के राष्ट्रीय गीत को विपक्षी पार्टी की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 50 साल पहले लगाए गए आपातकाल से जोड़ने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उनके एक और पूर्ववर्ती, जवाहरलाल नेहरू, ने 'वन्दे मातरम्' का विरोध करते हुए मोहम्मद अली जिन्ना का अनुसरण किया था, क्योंकि यह "मुसलमानों को नाराज कर सकता था।"

उन्होंने कहा, "जब 'वन्दे मातरम्' को लिखे 100 वर्ष हुये थे, तब देश आपातकाल में फंसा हुआ था... जब यह अपने 100 वें वर्ष में था, तब संविधान का गला घोंट दिया गया था।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "अब, 150 साल बाद, यह 'वन्दे मातरम्' की महिमा को बहाल करने का एक अच्छा अवसर है... जिसने हमें 1947 में स्वतंत्रता दिलाई थी।" उन्होंने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1875 में लिखे गए इस गीत की सराहना की, और कहा कि यह जल्द ही स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा बन गया था।

- प्र.मंत्री ने कहा, बकिम चंद्र ने जो वंदे मातरम् लिखा था उसके शुरुआती दो अंतरे राष्ट्र गीत में रखे गए, शेष 6 अंतरे हटा दिए गए, क्योंकि उसमें हिंदू देवियाँ, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती का संदर्भ दिया गया था, यह कांग्रेस का सांप्रदायिक एजेंडा था।
- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 1875 में वंदे मातरम् की रचना हुई थी। अब इसकी 150वीं जयंती है, यह अच्छा अवसर है, इसकी महिमा बहाल करने का।

"हमने हाल ही में अपने संविधान की 75 वीं वर्ष गाँठ मनाई। देश ने सरदार वल्लभभाई पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई। हम गुरु तेग बहादुर जी का 350वें शहीदी दिवस भी मना रहे हैं। अब हम 'वन्दे मातरम्' के 150 साल मना रहे हैं।"

भाजपा ने इस चर्चा के दौरान कांग्रेस पर आरोप लगाया, तथा कहा कि कांग्रेस ने 1937 के अपने सत्र में "सांप्रदायिक एजेंडे" के तहत इसका अनादर किया था और देश के राष्ट्रीय गीत के रूप में इसका एक संक्षिप्त संस्करण अपनाया था।

आज यह गीत सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी और इसकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बीच एक युद्धक्षेत्र बन गया है, जिसमें भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने "सांप्रदायिक एजेंडे" के तहत इसका अनादर किया था और इसे इसके संक्षिप्त रूप में देश का राष्ट्रीय गीत बना दिया था।

इस विवाद के केन्द्र में इसके छः अन्तरे हैं, जिनमें चट्टोपाध्याय ने हिन्दू देवी दुर्गा, कमला (या लक्ष्मी) और सरस्वती का संदर्भ दिया था, और इन्हें भारत की संरक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था।

1937 में, कांग्रेस, जिसके अध्यक्ष उस समय पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू थे, ने राष्ट्रीय समारोहों में इसके केवल पहले दो अन्तरे (स्टैन्ज़ा) गाने का निर्णय लिया था। इसका तर्क यह था कि हिन्दू देवियों के सीधे संदर्भ मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों द्वारा अच्छी तरह से नहीं लिए गए थे; इन्हें "बहिष्कार योग्य" माना गया था।

प्रस्ताव में लिखा था: "सभी बातों पर विचार करते हुए, समिति यह सिफारिश करती है कि जब भी 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रीय समारोहों में गाया जाए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वन रक्षक भर्ती का इनामी फरार आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

जयपुर, 8 दिसम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए वन रक्षक भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में पचास हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी वन रक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने में अहम कड़ी है। गैंग के लोगों ने किन-किन लोगों को पेपर बेचा और कहां से लीक पेपर मिला, एसओजी की टीम यह पूछताछ करने में जुटी है।

एसओजी एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि फरार आरोपी जबराराम को गुजरात से पकड़कर बांसवाड़ा लाया गया है और अब उससे पूछताछ की जाएगी।

- एसओजी को आशा है कि इससे पूछताछ में यह जानकारी प्राप्त हो जाएगी कि लीक पेपर कहाँ से हासिल किया तथा किस-किस को बेचा।

एसओजी की पूछताछ के बाद सामने आएगा कि परीक्षा का पेपर लीक गैंग ने कहां से हासिल किया था और किन-किन लोगों को परीक्षा का पेपर बेचा गया था। आरोपी जबराराम सरकारी शिक्षक है और वनरक्षक भर्ती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिगो ही नहीं सभी भारतीय एयरलाइन्स बारूद के ढेर पर काम कर रही हैं

एक छोटी सी गलती, चिंगारी का काम करती है, पूरे सैक्टर को ढेर करने में

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। भारत का विमानन क्षेत्र एक बार फिर सवालों के घेरे में है, क्योंकि हाल में हुई इंडिगो से जुड़ी अव्यवस्था ने उन ढांचागत कमज़ोरियों को उजागर कर दिया है, जो लंबे समय से अंदर ही अंदर बनी हुई थीं। इसके बाद भारत का एविएशन सैक्टर एक बार फिर जांच के दायरे में आ गया है। सुर्खियों में भले ही संचालन संबंधी चूक और ज़िम्मेदारी तय करने की बात छाई रही हो, लेकिन यह घटना याद दिलाती है कि भारत के तेज़ी से बढ़ते सिविल एविएशन सैक्टर में अभी भी वह संस्थागत मजबूती, नियामक दूरदर्शिता और बुनियादी ढांचे की मजबूती नहीं है, जिसकी उसे ज़रूरत है, उसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाज़ार बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए।

इंडिगो की यह गड़बड़ी कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, यह गहरे संकट का लक्षण थी। एयरलाइंस लगातार भारी दबाव में काम कर रही हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एयरलाइन्स को टाइट बजट में काम करना होता है, हवाई जहाज़ के पैट्रोल पर भारी टैक्स है, हवाईअड्डों की क्षमता बहुत सीमित ही नहीं कम है, सैक्टर का संचालन करने वाले रेग्युलेटरी ढांचे का काम करने का तरीका अनिश्चित सा, लगभग मनमर्जी से चलने वाला लगता है।
- इंडिगो एयरलाइन्स के अनुभव ने यह जता ही दिया कि जब केवल एक्सपैंशन पर भारी जोर हो तो सिस्टम इतना नाज़ुक हो जाता है कि किसी भी दिक्कत से जूझकर, उसका सामना करके आगे बढ़ने की क्षमता उसमें नहीं रह जाती और तूफान तो दूर की बात है, हवा का झोंका ही ताश के पत्ते के किले को ढहा देता है।
- सैक्टर को सुव्यवस्थित चलाए रखने के लिए गठित "रैग्युलेटरी सिस्टम" (नियंत्रक व्यवस्था) का रूख प्रतिक्रियात्मक है न कि दुर्घटना से पहले, दुर्घटना रोकने का इंतज़ाम करने वाला।
- इस सैक्टर का आधारभूत ढांचा- रनवे, पार्किंग स्थल, गेट्स, एरोब्रिज तथा ग्राउंड हैंडलिंग साधन इतने सीमित हैं कि किसी एक में कुछ गड़बड़ी हुई तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है।

मुर्शिदाबाद के बाद, ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा हुई

यू.पी. के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तीखी प्रतिक्रिया की कि मस्जिद बनाने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर, अगर यह मस्जिद बाबर के नाम पर बनाई जाती है तो सख्त आपत्ति होगी।

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की एक प्रतिकृति बनाने की योजनाओं ने भाजपा के बीच भारी हलचल मचा दी है, यह विवाद अब और बढ़ता हुआ दिख रहा है, जब 'तहरीक मुस्लिम शब्बन' नामक एक समूह ने हैदराबाद के ग्रेटर इलाके में बाबरी मस्जिद स्मारक बनाने की योजना की घोषणा की है।

पश्चिम बंगाल में, निलंबित तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले में पहले मुग़ल सम्राट बाबर के नाम पर मस्जिद का शिलान्यास करने के अपने निर्णय से विवाद खड़ा कर दिया। इस विवाद पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई, जिन्होंने कहा कि भाजपा न केवल इस निर्माण का विरोध करेगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि इसे जल्दी से तोड़ा जाए। "मस्जिद के निर्माण में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर कोई इसे बाबर के नाम पर बनाता है, तो इसे मजबूत विरोध का सामना करना पड़ेगा।"

- हैदराबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का एलान करने वाले तहरीक मुस्लिम शब्बन के अध्यक्ष मुश्ताक मलिक ने इस पर कहा, "किसी को भी बाबर के नाम पर आशंकित नहीं होना चाहिए। क्योंकि ऐसा कहीं भी जिक्र नहीं कि अयोध्या मस्जिद के निर्माण में बाबर का कुछ पैसा लगा था। यह संभव है कि पुरानी बाबरी मस्जिद किसी स्थानीय व्यक्ति बाबर के नाम पर बनी हो। भाजपा व आरएसएस इस बात को बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। बाबर का शासनकाल तो बहुत छोटा था।"

पश्चिम बंगाल में अगले साल के शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, और आस्था के मुद्दे पर भाजपा को यह मसला प.बंगाल में साम्प्रदायिक उत्तेजना फैलाने का एक अवसर प्रदान करता है, जहां तृणमूल का शासन है।

इस बीच, अयोध्या मस्जिद के ध्वंस की 33वीं वर्षगांठ पर, 'तहरीक मुस्लिम शब्बन' नामक समूह ने हैदराबाद में एक बैठक का आयोजन किया, जहां इस संगठन के अध्यक्ष मुश्ताक मलिक ने घोषणा की कि बाबरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुनील शर्मा राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त

सुनील शर्मा

जयपुर, 8 दिसम्बर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को आदेश जारी कर सेवानिवृत्त आई.ए.एस. सुनील शर्मा को राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 3 वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, के लिए की गई है। ज्ञात रहे कि सुनील शर्मा इस साल अप्रेल में ही सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। शर्मा, वर्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इंडिगो संकट के झटके बिहार की सरकार में भी महसूस हुए

नीतीश की पार्टी जद (यू) ने पुरजोर ढंग से मांग उठाई की इंडिगो की "दिन दहाड़े डकैती" के खिलाफ सख्त और तुरंत कार्यवाही करे सरकार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसंबर। इंडिगो एयरलाइंस में चल रहे संकट ने सत्ताधारी एनडीए में अप्रत्याशित राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जिसमें गठबंधन सहयोगी हवाई उड़ानों की किराया वृद्धि और देशभर में व्याप्त संकट के चलते सार्वजनिक रूप से नाराज़गी व्यक्त कर रहे हैं। इस स्थिति ने मोदी सरकार को असामान्य रूप से रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है, क्योंकि प्रमुख सहयोगी तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं और निजी एयरलाइनों पर "दिनदहाड़े लूट" करने का आरोप लगा रहे हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी रहे एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बुधवार को इंडिगो के दफ्तर के बाहर धरना देने की धमकी दी, एयरलाइन पर अफरातफरी के बीच यात्रियों का शोषण करने का आरोप लगाया। उनका यह आक्रोश एनडीए के भीतर गहरी निराशा को दर्शाता है, जो, साझेदारों के अनुसार, नागरिक विमानन क्षेत्र में शासकीय और नियामक विफलता का परिणाम है।

- जद (यू) नेता व एनडीए के जाने माने चेहरे के.सी. त्यागी ने एक व्यक्तिगत जानकारी देकर और हड़कंप मचा दिया कि "उन्हें अपनी बेटी के दिल्ली-मुम्बई टिकट के लिए इकतालीस हजार का नाजायज़ भुगतान करना पड़ा। त्यागी ने एयरलाइन्स से यह राशि लौटाने की मांग की तथा केन्द्रीय सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप की "डिमांड" उठाई।
- त्यागी के अनुसार, यह मार्केट प्राइसिंग" नहीं है, बल्कि संकट के नाम पर शोषण है।
- पहली बार सरकार को विरोध का सामना विपक्ष की ओर से ही नहीं, अपने सहयोगी पार्टी की तरफ से करना पड़ रहा है।

इस दबाव को और बढ़ाते हुए, वरिष्ठ जदयू नेता और एनडीए का प्रमुख चेहरा के.सी. त्यागी ने सरकार को एक व्यक्तिगत खुलासा करके चौंका दिया कि उन्हें अपनी बेटी के दिल्ली-मुंबई टिकट के लिए 41,000 रूपए की भारी राशि का भुगतान करना पड़ा। इसे "पूर्णतया लूट" बताते हुए, त्यागी ने एयरलाइन से तत्काल रिफंड की मांग की और केन्द्र से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

"यह बाजार मूल्य निर्धारण नहीं है। यह संकट के नाम पर शोषण है", त्यागी ने पार्टी के सहयोगियों से कथित तौर पर कहा, यह संकेत देते हुए कि नाराज़गी न तो प्रतीकात्मक है और न ही राजनीतिक रूप से मंचित।

अंदरूनी सरकारी सूत्र इस विवाद पर चुप्पी साधे हुए हैं, जबकि इस घटना ने केन्द्र के संकट प्रबंधकों के लिए एक अजीब और असहज स्थिति उत्पन्न कर दी है, जो पहले ही विमानन क्षेत्र में एक प्रमुख निजी एयरलाइन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण आलोचना का सामना कर रहे हैं।

मोदी सरकार कई मोर्चों पर समस्याओं का सामना कर रही है, यात्रियों के गुस्से और किराए के उतार-चढ़ाव से लेकर नियामक निगरानी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान में भारी भूकंप, सुनामी की चेतावनी

टोक्यो, 08 दिसंबर। जापान में सोमवार को भूकंप के भीषण झटके से कांप उठा। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 7.6 मापी गई है। भूकंप के तुरंत बाद जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की है। इस कारण जापान के उत्तर-पश्चिमी तट पर तीन मीटर (10 फीट) ऊंची सुनामी आ सकती है। मछुआरों और छोटी बोट को समुद्र से दूर रहने की चेतावनी जारी की गई है।

- रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.6 मापी गई है।

भूकंप का केंद्र मिसावा शहर से लगभग 73 किलोमीटर उत्तर-पूर्व की ओर स्थित था, जिसकी गहराई लगभग 53 किलोमीटर मापी गई। यह उथले श्रेणी का भूकंप माना गया, जो आमतौर पर अधिक तीव्र झटकों का कारण बनता है। जापान प्रशांत, फिलीपीन सागर, यूरेशियन और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के संगम पर स्थित है।

'सरकार ने वंदे मातरम् पर बहस इसलिए रखी क्योंकि बंगाल में चुनाव होने वाले हैं'

प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि सरकार हमें अतीत में उलझाए रखना चाहती है और वर्तमान व भविष्य पर बात नहीं करना चाहती

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज लोकसभा में वंदे मातरम् पर हुई बहस के दौरान, प्रधानमंत्री और भाजपा पर तीखा लेकिन चुटीला वार किया और प्रधानमंत्री की नेहरू पर बार-बार की जाने वाली आलोचना पर कड़ा हमला बोला।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने आज़ादी की लड़ाई के दौरान जितना समय जेल में बिताया था, वह लगभग उतना ही है, जितना समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सर्वोच्च पद पर बिताया है। वे वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर हो रही विशेष चर्चा में बोल रही थीं।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि वे जवाहरलाल नेहरू के लिए की गई सारी आलोचनाओं और अपमानों की एक पूरी सूची बना लें। उन्होंने कहा, "चाहे वे 999, हों या 9,999-आप एक सूची बना लीजिए, और फिर हम तय कर सकते हैं कि इस पर कब चर्चा करनी है, जैसे हम वंदे मातरम् पर 10 घंटे, बहस कर रहे हैं। जितनी देर आप चाहें, उतनी देर हम बहस करने को तैयार हैं। लेकिन संसद के कीमती समय का इस्तेमाल उस काम के लिए होना चाहिए, जिसके लिए लोगों ने हमें चुना है। एक बार और हमेशा के लिए, इस अध्याय को बंद कर दें।" उनके इतना कहते ही विपक्षी सांसदों की ओर से जोरदार करतल-ध्वनि हुई।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, नेहरू नौ बार जेल गए और कुल मिलाकर 3,200 से अधिक दिन, यानी लगभग नौ वर्ष, जेल में रहे।

- प्रियंका गांधी ने कहा, भारत के पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने कहा था, वंदे मातरम् पर विवाद साम्प्रदायिक ताकतों ने गढ़ा था।
- प्रियंका ने अपने तर्क के पक्ष में नेहरू और रविन्द्रनाथ टैगोर के बीच लिखी गई चिट्ठियों का उल्लेख किया। गुरुदेव टैगोर ने लिखा था, जिन दो पदों का हमेशा गायन होता रहा है, वे इतने महत्वपूर्ण हैं कि उन्हें शेष गीत से अलग करने में कोई समस्या नहीं है और आज़ादी के आंदोलन में सभी इन दो पदों को ही गाते थे।
- टैगोर ने यह भी लिखा था कि इस गीत में बाद के जो पद हैं, उन्हें उस दौर के माहौल को देखते हुए सांप्रदायिक कहा जा सकता है।

प्रियंका गांधी ने आगे कहा, "देश सुन लेगा कि इंदिरा जी ने क्या किया, राजीव जी ने क्या किया, वंशवादी राजनीति क्या है, नेहरू की क्या गलतियाँ थीं-आइए, इन सब पर बात कर लेते हैं और फिर इसे हमेशा के लिए खत्म कर देते हैं। फिर हम बेरोज़गारी और महँगाई पर बात कर पाएँगे।" उनके इस बयान पर भी विपक्षी बेंचों ने जोरदार करतल -ध्वनि की।

इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर आरोप लगाया कि उसने वंदे मातरम् पर यह बहस अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए आयोजित की है। प्रियंका ने कहा, "यह बहस इसलिए करवाई गई है, ताकि जनता का ध्यान भटकाया जा सके, क्योंकि यह सरकार मौजूदा हालात की सच्चाई छिपाना चाहती है।"

वायनाड की सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि संसद में वंदे मातरम् पर बहस की जरूरत ही क्या है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बहस की कोई गुंजाइश ही नहीं है, क्योंकि यह गीत "देश के हर हिस्से में जीवित है और सम्मानित है।"

उन्होंने कहा कि सरकार वंदे मातरम् पर चर्चा इसलिए चाहती है, क्योंकि जल्द ही बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। सरकार चाहती है कि हम अतीत में उलझे रहें, क्योंकि वह वर्तमान और भविष्य पर बात करना नहीं चाहती।"

प्रियंका गांधी वाड्रा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस प्रकरण को गलत रूप में पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नेहरू, जो उनके परदादा और भारत के पहले प्रधानमंत्री थे, ने वंदे मातरम् को लेकर हुए उस विवाद को "सांप्रदायिक ताकतों द्वारा खड़ा किया गया विवाद" कहा था।

अपने तर्क के समर्थन में, उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोवा अग्निकांड के आरोपी थाइलैंड फरार

गोवा, 08 दिसंबर। गोला क्लब हादसे से जुड़ी इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। गोवा अग्निकांड के आरोपी थाईलैंड भागने में कामयाब हो गए हैं। अब गोवा पुलिस ने सीबीआई के जरिए इंटरपोल से मदद मांगी है। जिस दिन घटना हुई, उसी दिन आरोपियों ने मुंबई से फुकेट (थाईलैंड)की फ्लाइट पकड़ी और भारत से बाहर भाग गए। डीजीपी गोवा आलोक कुमार के अनुसार ये खबर निकलकर सामने आई है। ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन से से जानकारी मिली कि दोनों मालिक आग लगने के तुरंत बाद 7 दिसंबर को सुबह 05.30

- गोवा पुलिस ने यह जानकारी दी। दोनों आरोपी सौरभ और गौरव भाई हैं तथा उस बार के मालिक हैं, जहां हादसा हुआ।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जनता की आवाज़ ईश्वर की आवाज़ है। –कहावत

मिनिमम गवर्नेंस, नो गवर्नमेंट

प्रधानमंत्री मोदी ने जब 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभाला था तो यह घोषणा की थी कि वे "मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट" का सिद्धांत लागू करेंगे और इस दिशा में कार्य करेंगे। प्रारंभ के कुछ निर्णयों से ऐसा लगा कि सरकार उसी ओर चल रही है, किंतु जैसे-जैसे समय निकलता गया, यह नारा केवल नारा ही बनकर रह गया। वास्तव में सरकार की कार्यप्रणाली किसी और ही दिशा में चलने लगी। निजीकरण को बहुत अधिक महत्व दिया जाने लगा, जिसमें कोई बुराई भी नहीं थी, किंतु इसके बेलगाम होने का क्या परिणाम हो सकता है, यह हाल ही के दिनों में कई स्थानों पर देखने में आया है।

गत सप्ताह में इंडिगो एयरलाइंस से यात्रा करने वाले यात्रियों की दुर्दशा एवं लाचारी के जो दृश्य, विभिन्न मीडिया माध्यमों पर दिखाए गए, चाहे वे टीवी चैनल हों, सोशल मीडिया हों अथवा प्रिंट मीडिया, बड़े हृदय विदारक थे। कई ऐसे बुजुर्ग थे जो घंटों, बिना दवा के एयरपोर्ट पर बैठे रहे, कई डॉक्टर सर्जरी करने नहीं पहुंच पाए, जिन मरीजों की किसी दूसरे शहर में सर्जरी होनी थी, वह नहीं हो पाई। कुछ मामलों में तो नव दंपत्ति अपने खुद के रिसेप्शन में भी सम्मिलित नहीं हो पाए और उन्हें केवल वीडियो के माध्यम से सम्मिलित होना पड़ा। बिलखते बच्चे और रोती हुई आक्रोशित महिलाओं के दृश्य प्रतिदिन आ रहे हैं। फ्लाइट 20 घंटों के विलंब से जा रही थीं। हजारों फ्लाइट्स कैंसिल हो गईं। हजारों लोग परीक्षा और इंटरव्यू देने से वंचित रह गए। बहुत से लोगों की विदेश की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट गई। इंडिगो के कर्मचारियों के पास केवल एक ही रटा रटाया उत्तर था कि तकनीकी कारणों से विलंब हो रहा है, फ्लाइट रीशेड्यूल कर रहे हैं अथवा कैंसिल हो रही है। भारत में नागरिक की स्थिति कितनी दयनीय हो गई है, यह इसी से पता लगता है कि कोई स्पष्ट उत्तर देने वाला नहीं था कि उनकी फ्लाइट गंतव्य के लिए कब और कितने बजे रवाना होगी? जिन लोगों को अत्यावश्यक रूप से कहीं जाना था इसके लिए उन्हें वैकल्पिक फ्लाइट के टिकट, अन्य एयरलाइंस से मनमानी कीमत पर खरीदने पड़े। ऐसा देखा गया कि जिन दो शहरों के बीच में सामान्य टिकट की दर 7- 8000 रुपए थी, वहां के लिए 30000 से 100000 रुपए तक लोगों को मजबूरी में देने पड़े।

इंडिगो ने केवल यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली और यात्रियों पर 'उपकार' कर दिया कि वह यात्रियों को फ्लाइट रद्द होने पर पूरा किराया रिफंड करेगी। यह नहीं सोचा कि रिफंड तो 7000 रुपए का होगा लेकिन नया टिकट 70000 रुपए का होगा। यही स्थिति कुंभ मेले के समय भी हुई थी जब 5000 के स्थान पर लोगों को 50000 रुपए तक देने पड़े थे।

यह सब होते हुए भी सरकार आंखें मूंद कर बैठी रही। उसने न तो एयर लाइन पर कोई जुर्माना लगाया न यात्रियों को कोई मुआवजा देने के लिए इंडिगो को बाध्य किया। यह उल्लेखनीय है कि भारत के विमानन उद्योग में इंडिगो का हिस्सा लगभग 65 प्रतिशत है, अर्थात इसका एकाधिकार है। स्पष्ट है इंडिगो कंपनी निश्चिंत है कि डी जी सी ए या उड्डयन मंत्रालय उसके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं करेगा। यह अति आत्मविश्वास शायद इसलिए कि सितंबर, 2025 से प्रधानमंत्री के अत्यन्त करीबी नीति आयोग के पूर्व सी ई ओ, इंडिगो के निदेशक बन गए हैं। कहा भी गया है, "सैंया भए कोतवाल तो डर काहे का"? एयरलाइंस पर कोई कार्रवाई न करने को जनता के हितों की अनदेखी करना ही कहा जाएगा। इंडिगो ने न तो यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की न खाने की। स्थिति तो यहां तक बिगड़ गई कि एक बुजुर्ग द्वारा जब अपनी बेटी के लिए एयरलाइंस स्टाफ से सैनिटरी नेपकिन की मांग की गई तो वह तक उपलब्ध नहीं कराया गया। लोग 5 घंटे से लेकर 20 घंटे तक अनिश्चितता की हालत में विभिन्न एयरपोर्ट पर बैठे रहे। एयरपोर्ट पर भीड़ की स्थिति किसी शहर के बस अड्डे से भी खराब हो गई थी।

आज प्रत्येक नागरिक यह प्रश्न पूछ रहा है कि क्या सरकार का 'मैक्सिमम गवर्नेंस' का यही तात्पर्य है कि यात्रियों को निजी कंपनियों की दया पर छोड़ दिया जाए? उल्लेखनीय है कि इंडिगो का मुनाफा केवल वित्तीय वर्ष 2024 में ही आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक था। क्या सरकार इस कंपनी को आदेश नहीं दे सकती है कि वह पीड़ित यात्रियों को कम से कम एक लाख रुपए का मुआवजा दे? नागरिक उड्डयन मंत्रालय जिसके पास विभिन्न एयरलाइन एवं हवाई यात्राओं को नियमित करने की जिम्मेदारी है, उसने इस तरफ कोई भी ध्यान नहीं दिया। अब तक इस एयरलाइंस पर जुर्माना लगाने की भी कोई जानकारी नहीं है।

मीडिया में प्राप्त जानकारी से पता लग रहा है कि विभिन्न सुरक्षा संबंधी मानकों को ध्यान में रखते हुए और पायलटों के उड़ान के घंटे निर्धारित करने के कारण इंडिगो के लिए फ्लाइट संचालन करना असंभव था। फिर भी इंडिगो को अपनी फ्लाइट्स की संख्या 14000 से बढ़ाकर 15000 करने की अनुमति दे दी। इन सब का परिणाम यह हुआ कि इंडिगो के पास पायलटों की संख्या अत्यंत कम हो गई । बदली परिस्थितियों में, इंडिगो ने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पायलटों की समय पर भर्ती नहीं की । इसका असर फ्लाइट के संचालन पर पड़ना ही था। यह आश्चर्य की बात है कि अब सरकार ने पायलटों के उड़ान के घंटे नियमित करने वाला अपना आदेश इंडिगो कंपनी के लिए 10 फरवरी तक स्थगित कर दिया है। ऐसा करके क्या सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को ताक पर नहीं रख दिया है ? प्रधानमंत्री जी ने नारा तो "मैक्सिमम गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट" का दिया था लेकिन निजी कंपनियों को जिस प्रकार से मनमानी करने की खुली छूट दे दी गई है, उसे तो "मैक्सिमम गवर्नेंस" के स्थान पर 'नो गवर्नेंस' ही कह सकते हैं।

साधारण जनता मिलावटी दूध पीने, मिलावटी सब्जियां, फल एवं खाद्य पदार्थ खाने और जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है । वास्तव में सरकार होती तो मिलावट करने वालों को अब तक सजा मिल चुकी होती। न किसी को जेल हुई न किसी को गिरफ्तार किया गया। मेरे जैसे साधारण नागरिक की तो केवल एक ही अपेक्षा है कि सरकार प्रभावी रूप से नियंत्रण व्यवस्था स्थापित करे और नियंत्रण व्यवस्था में ऐसे लोगों को लगाए जो ईमानदारी से अपना काम करें, ताकि निजी संस्थाएं भी बनी रहें और किसी का शोषण भी व्यवस्था में ना हो।

सरकार की अनुपस्थिति लगभग हर उस क्षेत्र में अनुभव की जा रही है जिससे नागरिक का जीवन प्रभावित होता है। वाहनों की संख्या में अनाप-शनाप वृद्धि से शहरों में पार्किंग का कोई स्थान नहीं बचा है और इसलिए सड़कों पर वाहन बेतरतीब खड़े रहते हैं, जिसके कारण प्रतिदिन सड़क हादसों में लोग मर रहे हैं । अतिक्रमण और भवन निर्माण के नियमों की अवहेलना एक सामान्य बात हो गई है। जयपुर के मालवीय नगर में एक निर्माणाधीन चार मंजिला भवन झुकने लगा और जनजीवन के लिए खतरा बन गया तो पता चला कि यह बिना अनुमति के बन रहा था। कैसी सरकार और कैसा शासन?

चलती बसों में आग लगने के कारण यात्रियों की मृत्यु होना, अस्पताल में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई आग से मरीजों की मौत होना, यही सिद्ध करते हैं कि सरकार के लिए आम नागरिक के जीवन का कोई महत्व नहीं रह गया है। जब मैं यह संपादकीय लिख ही रहा हूं तभी गोवा के नाइट क्लब में भयंकर आग लगने की खबर आई है। इसमें 25 लोग दम घुटने से मर गए क्योंकि आने और जाने का एक ही दरवाजा था। स्पष्ट है, न सरकार है न शासन।

जहां तक गवर्नमेंट का सवाल है उसके अधिकारियों का काम केवल व्यापारियों और आम जनता से अनधिकृत रूप से वसूली करना रह गया है । जनता का हित सरकार के लिए सबसे अंतिम प्राथमिकता बनकर रह गया है।

जिस प्रकार से अस्पतालों में मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना लागू होने के बाद भी गरीब लोग अस्पताल में धक्के खा रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि गवर्नमेंट नाम की कोई चीज नहीं है । लोकतांत्रिक कल्याणकारी सरकार का पहला दायित्व यही होता है कि वह जनता के हित को सर्वोपरि रखे, लेकिन जिस प्रकार के घटनाक्रम हम आजकल देख रहे हैं, उसको देखते हुए तो यही कहा जा सकता है कि सरकार के लिए बड़े उद्योगपतियों और पूंजीपतियों का हित संरक्षण ही एकमात्र काम रह गया है। साधारण जनता को निजी कंपनियों के हवाले छोड़ दिया गया है । मेडिकल की पढ़ाई करने वाले एक-एक छात्र से साल का एक करोड़ रूपया लिया जा रहा है। ऐसा करके क्या कभी कोई साधारण परिवार का व्यक्ति वर्तमान शासन व्यवस्था में एमबीबीएस या एम डी करने की सोच भी सकता है?

विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में भारतीय प्रशासनिक सेवा एवं अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों अथवा अन्य सेवाओं के कर्मचारियों/ अधिकारियों को सुशासन पर प्रशिक्षण दिए जाने के बावजूद यदि हम गुड गवर्नेंस के बजाय 'नो गवर्नेंस' की दिशा में बढ़ रहे हैं, तो यह चिंता की बात है। इस प्रकार की स्थिति में, जिनके पास अकूत धनराशि है या जो प्रभावशाली हैं, वे तो किसी भी प्रकार से अपना काम निकाल लेंगे लेकिन साधारण नागरिक के पास तो प्रताड़ित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उदाहरण के लिए, हाल ही में किए जा रहे एस आई आर में लगभग सभी सरकारी शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है और सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई, जो वैसे ही खस्ता हाल है, अब बिल्कुल ही समाप्त हो गई है। सरकार के संरक्षण की आवश्यकता ही साधारण परिवार को सर्वाधिक होती है और दुर्भाग्य से वही शोषण का शिकार हो रहा है। सरकार अपने मूल दायित्व को तिलांजलि देकर केवल पूंजीपतियों के हित संरक्षण में जुटी रहेगी तो वही स्थिति होगी जो अभी इंडिगो के प्रकरण में हुई है।

आम नागरिक प्रश्न पूछ रहा है कि सरकार जो उससे विभिन्न नामों से टैक्स वसूल करती है उससे उसे लाभ क्या हो रहा है ? सरकार न तो उसे मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है न ही उसे निजी क्षेत्र के हाथों शोषित होने से बचा पा रही है। उसके बच्चे यदि पढ़ाई नहीं कर सकें, रहने के लिए अपना छोटा सा घर नहीं बना सके, अपने लिए कोई रोजगार नहीं ढूंढ सके, प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होते चले जाएं तो उसे हम लोक कल्याणकारी राज्य का नागरिक कह पाएंगे ? सरकार को चाहिए था कि तेजी से निजीकरण करते समय एक प्रभावी नियामक व्यवस्था स्थापित करती। पैसे की ताकत के आगे सरकार के मंत्री और अधिकारी या तो लाचार हैं या अपने स्वार्थ के कारण उनके समक्ष नतमस्तक हो गए हैं। यह भी पता चला है कि इंडिगो कंपनी के मालिक राहुल भाटिया ने सत्ताधारी दल को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से 20 करोड़ रुपए दिए थे। यदि ऐसा नहीं है तो फिर अब तक नागरिक उड्डयन मंत्री और महानिदेशक डी जी सी ए को क्यों नहीं हटाया गया है ?

साधारण जनता मिलावटी दूध पीने, मिलावटी सब्जियां, फल एवं खाद्य पदार्थ खाने और जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है । वास्तव में सरकार होती तो मिलावट करने वालों को अब तक सजा मिल चुकी होती। न किसी को जेल हुई न किसी को गिरफ्तार किया गया।

मेरे जैसे साधारण नागरिक की तो केवल एक ही अपेक्षा है कि सरकार प्रभावी रूप से नियंत्रण व्यवस्था स्थापित करे और नियंत्रण व्यवस्था में ऐसे लोगों को लगाए जो ईमानदारी से अपना काम करें, ताकि निजी संस्थाएं भी बनी रहें और किसी का शोषण भी व्यवस्था में ना हो।

इंडिगो की हाल की घटनाक्रम से तो यह लगता है कि सरकार पूरे प्रकरण में अनुपस्थित ही रही है । अनुपस्थित सरकार जनता का भला नहीं कर सकती । जनता चाहती है कि सरकार उसके हित में काम करे। हम तो केवल आशा ही रख सकते हैं कि सरकार अब भी जागे और सुशासन नहीं तो कम से कम शासन तो उपलब्ध कराए। दुर्भाग्य से न्यायपालिका भी सरकार की निष्क्रियता का संज्ञान नहीं ले रही है और न सरकार को बाध्य कर रही है कि वह एक प्रभावी कार्यपालिका की भूमिका संविधान के अंतर्गत निभाए।

फिलहाल तो ऐसा लगता कि प्रधानमंत्री का "मैक्सिमम गवर्नेंस" का दावा 'नो गवर्नेंस' में परिवर्तित हो गया है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

लोकतंत्र से संवाद: वंदे मातरम् दीर्घा

डॉ. लोकेश चंद्र शर्मा

राजस्थान ावधानसभा म राष्ट्राय गात वंदे मातरम् को समर्पित विशिष्ट, शोधपरक और आधुनिक स्वरूप वाली दीर्घा में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, स्वाधीनता के सांस्कृतिक प्रतीकों और राष्ट्रभक्ति की सामूहिक चैतना के एतिहासिक तथ्यों को नए स्वरूप में प्रस्तुत किया है। भारतीय लोकतंत्र की आत्मा से संवाद करती इस पहल से देश की विधान सभाओं में राजस्थान विधान सभा इस ऐतिहासिक उपलब्धि से विशिष्ट बन गई है। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी की इस गौरवमयी सोच के साकार होने से विधान सभा का पवित्र परिसर शौर्य के भाव से आलोकित हो गया है। श्री देवनानी ने विधान सभा में भारतीय संविधान के 22 भागों के प्रारम्भ में प्रकाशित चित्रों की पृष्ठभूमि को समझाने के लिए संविधान दीर्घा और कारगिल वीरांगनाओं को समर्पित शौर्य वाटिका का भी निर्माण कराया है।

राजस्थान विधान सभा देश की पहली विधान सभा जहां वंदे मातरम् दीर्घा- देश की विधानसभाओं में राजस्थान विधानसभा अब उन विरल संस्थानों में शामिल हो गई है जहाँ वंदे मातरम् पर आधारित एक पूर्ण शोधपरक गैलरी का निर्माण हुआ है। राष्ट्र गीत के एक सौ पचास वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार इस दीर्घा में 37 पैनलों के माध्यम से वंदे मातरम् की रचना, इतिहास, संदर्भ और स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका को क्रमबद्ध रूप से सजाया गया है। वंदे मातरम्, मातृभूमि के प्रति समर्पण, औपनिवेशिक दमन के विरुद्ध प्रतिरोध और स्वाधीनता की सामूहिक चेतना का स्वरूप है। स्वदेशी आंदोलन के दौर में यह गीत जनसभाओं और आंदोलनों का प्रेरक केंद्र बनकर राष्ट्रीय भावता को संगठित करता रहा और उसी चिरंतन स्वरूप को यह दीर्घा आधुनिक माध्यमों में पुनर्जीवित कर रही है।

नए विमर्श और आधुनिकता के साथ आमजन को समर्पित- राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित राजनैतिक आख्यान संठाहालय में यह नई दीर्घा स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास को नए विमर्श और आधुनिक प्रस्तुति के साथ आमजन तक पहुँचाती है। वंदे मातरम् के भावपूर्ण संगीत, दुर्लभ दस्तावेजों, वीडियो सामग्री और उस युग के सांस्कृतिक-राजनीतिक परिवेश का सजीव प्रदर्शन आगंतुकों को उस समय की अनुभूति से जोड़ता है। मातृभूमि के प्रति प्रेम, कर्तव्य और संविधान के प्रति निष्ठा को इस दीर्घा का मूल केंद्र माना गया है, जो इसे मात्र प्रदर्शनी नहीं बल्कि प्रेरणा का स्थायी स्त्रोत बनाता है।

जीवंत ज्ञान केन्द्र- 1875 में अक्षय नवमी के दिन बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा मुर्शिदाबाद के लालगोला में रचे गए मूल गीत की पांडुलिपि, संस्कृतनिष्ठ बंगाली पाठ, स्वदेशी आंदोलन से जुड़े दुर्लभ फोटोग्राफ, क्रांतिकारियों के संस्मरण, पत्र, भाषण और तत्कालीन सांस्कृतिक वातावरण की झलक इस दीर्घा को विशेष बनाती है। युवा वर्ग, शोधार्थियों और इतिहास में रुचि रखने वाले नागरिकों के लिए यह दीर्घा एक जीवत जान केन्द्र के रूप में उभर रही है। राष्ट्रीय चेतना को आलोकित करने वाली राजस्थान विधान सभा ने नई पीढ़ी के लिए कर्तव्यों और अधिकारों के संतुलन के साथ राष्ट्र-प्रथम की भावना को सर्वोपरि बनाये रखने का वातावरण निर्मित किया है।

स्पीकर श्री वासुदेव देवनानी की इस पूरी पहल का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि राजस्थान विधानसभा ने इतिहास को स्थिर रूप में नहीं, बल्कि जीवंत एवं संवादमय रूप में प्रस्तुत किया है। संग्रहालय का यह विस्तार ऐसी सोच को दर्शाता है जिसमें राजनीति केवल नीतियाँ और बहसों तक सीमित न रहकर संस्कृति, इतिहास और नागरिक चेतना को भी समान महत्व देता है।

इतिहास को महसूस कराने वाली दीर्घा वंदे मातरम् दीर्घा- वंदे मातरम इतिहास, संस्कृति और संवैधानिक आदर्शों का ऐसा विशिष्ट संगम बनकर उभर रही है, जो भारतीय लोकतंत्र की गहराई और राष्ट्रीय चेतना की व्यापकता को नई पीढ़ियाँ तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगी। राजस्थान विधानसभा में वंदे मातरम् दीर्घा केवल अतीत का अभिलेख नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय पहचान को जोड़ने वाला समकालीन सेतु है। डिजिटल इंटरैक्टिव पैनलों और ऐतिहासिक दस्तावेजों के संयोजन ने इसे पारंपरिक

संग्रहालयों की सीमाओं से आगे पहुँचा दिया है। इसे देखने वाले स्वतंत्रता आंदोलन की भावनाओं संघर्षों और राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा को अनुभव करते हैं। यह पहल आने वाले वर्षों में न केवल शोधार्थियों के लिए बल्कि उन युवाओं के लिए भी अत्यंत मूल्यवान साबित होगी जो इतिहास को केवल पढ़ना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते हैं।

करोड़ों भारतीयों की सामूहिक स्मृति का प्रतिबिम्ब- वंदे मातरम् दीर्घा राष्ट्रगीत के इतिहास को समेटे हुए है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना को जन भाषा में प्रस्तुत करती है। दीर्घा के प्रत्येक पैनल में स्वतंत्रता संग्राम के दृश्य, आंदोलनकारी ऊर्जा के अंश और राष्ट्रिनर्माण में काला-साहित्य की भूमिका के अध्याय सजीव हो उठे हैं। यह दीर्घा उन करोड़ों भारतीयों की सामूहिक स्मृति का प्रतिबिंब है जिन्होंने अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध करते हुए वंदे मातरम् को अपनी आवाज का आधार बनाया था। आधुनिक भारत की युवा पीढ़ी जब इस दीर्घा में प्रवेश करती है, तो वह केवल इतिहास नहीं देखती वह अपने भीतर राष्ट्रभावना की एक नई समझ का जन्म अनुभव करती है।

लोक संस्कृति पथ - राजस्थान विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय के प्रवेश पथ को कला, संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक प्रतीक और ऐतिहासिक धरोहरों के भित्ति चित्रों से उकेरा गया है। यह लोकक संस्कृति से परिचय कराने वाला पथ बन गया है।

–डॉ. लोकेश चंद्र शर्मा,
उप निदेशक जनसंपर्क, राजस्थान विधानसभा, जयपुर

राज्य सरकार के विघटनकारी रवैये से कृषि विश्वविद्यालयों के एक्ट और स्टैचूट्स गैरजरुरी व अर्थहीन

प्रो. वीर बहादुर सिंह

राजस्थान सरकार ने प्रदेश में पांच कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की, ये संसथान, बीकानेर, उदयपुर, जोधपुर, कोटा और जोबनेर स्थानों पर संचालित हैं। ये सभी विश्वविद्यालय विधान सभा में उपयुक्त विधान पेश कर और गजट में नोटिफिकेशन उपरांत स्थापित किये गए हैं। सभी के विधान भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के मॉडल एक्ट अनुरूप बनाये गए हैं। एक प्रकार से ये एक्ट और स्टटूटेस सम्बंधित विश्वविद्यालय के लिए संविधान का उद्देश्य पूरा करते हैं जिनके प्रोविशंस के अनुसार विश्वविद्यालय अपने सभी क्रिया कलापों को अंजाम देते हैं।

इसके ही प्रावधानों के अंतर्गत कुछ बड़ी समितियाँ गठित होती हैं जिनमें प्रबंध मंडल सर्वोच्च औरअकादमिक कौंसिल प्रमुख हैं। फिर विधान के ही अंतर्गत बोर्ड ऑफ़ स्टडीज अथवा फैकल्टी होती है। एक फैकल्टी एक संकाय के सभी अकादमिक और नॉन अकादमिक कार्य देखती है। वर्तमान स्थिति में कृषि संकाय, कृषि अभियांत्रिकी संकाय, होम साइंस संकाय, डेरी व् फ़ूड टेक्नोलॉजी संकाय और फिशरीज लिम्नोलोजी संकाय और बागवानी व् फॉरेस्ट्री संकाय इन संस्थानों में गठित किये हुए हैं। प्रत्येक मुख्य संकाय का एक महाविद्यालय है जैसे कृषि महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, होम साइंस महाविद्यालय, डेरी व् खाध प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मतस्य विज्ञान महाविद्यालय आदि जहाँ स्नातक और अधिस्नातक स्तरों की शिक्षा देने का प्रावधान है सभी महाविध्यालयों में अनेक विषय अनुसार विभाग होते हैं। जिनमें प्रत्येक का एक विभागाध्यक्ष होता है।

कुछ अपवादों को छोड़कर इन सभी पाठ्यक्रमों के अलावा अनुसन्धान या पीएचडी पाठ्यक्रम भी कुछ विषयों में उपलब्ध हैं। ये सभी पाठ्यक्रम नॉलेज विस्तार के कारण विषय सामग्री से बहुत प्रचुर हैं, जिन्हें पढानें के लिए वांछित वैज्ञानिक या अध्यापकों की जरुरत होती है। ये वैज्ञानिक पीएचडी तो होते ही हैं अपने ही विषय के किसी एक या दो पक्षों में विशेषग्यता रखते हैं जिसे वे अधिस्नातक और पीएचडी छात्रों को पढ़ाते भी हैं और किसी एक समस्या पर शोध भी करवाते हैं। शोध भी अपने में एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे आखिर तक अंजाम तक पहुंचाने में शोधार्थी व् वैज्ञानिक को सतत परिश्रम और समय लगाना होता है।

उपरोक्त वर्णित डिग्री प्रोग्राम और सम्बंधित महाविद्यालय जहाँ वो डिग्री प्रोग्राम संचालित होते हैं, को भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली से अनुमोदित अथवा प्रत्यायित या प्रामाणिक होना आवश्यक होता है इसके लिए सम्बंधित संस्था से निवेदन मिलते ही परिषद् एक विशेषज्ञों की समिति गठित कर देती है जो विश्वविद्यालय और महाविद्यालय का निरीक्षण कर और सभी दृष्टिओं से संतुष्ट होकर शिक्षा या डिग्री प्रोग्राम अथवा महाविद्यालय को चाही गई अनुसंशा प्रदान कर देती है। इस अनुसंशा के बाद ही वह प्रोग्राम पूरे देश में मान्य हो जाता है और कौंसिल से विभिन्न कार्यों के लिए आर्थिक सहायता के लिए भी उपयुक्त हो जाता है।

बिना इस मान्यता के प्रदान की गई डिग्री देश के किसी भी संसथान में आगे प्रवेश और रोजगार के लिए मान्य नहीं होती है। अक्रेडिटेशन समिति उपस्थित फैकल्टी व् उनकी विशेषग्यता, प्रयोगशालाएँ और प्रायोगिक कक्षाओं के लिए समुचित उपकरण की मौजूदगी, वांछित प्रयोगशाला सहायक और समुचित बजट प्रावधानों के होते हुए अक्रेडिटेशन के लिए अनुशंसा कर देती है उपरोक्त सभी कारकों का समुचित स्तरों का होने पर ही समिति संतुष्ट होकर प्रमाणिकता प्रदान करने की अनुसंशा करती हैं।

स्नातक विषय तो एक अनुभवरहित फैकल्टी पढ़ा सकती है लेकिन अधिस्नातक और पीएचडी विषय पढानें के लिए अध्यापक अथवा फैकल्टी का पोस्टग्रेजुएट कौंसिल से अनुमोदन आवश्यक होता है बिना अनुमोदि प्राप्त व्यक्ति अधिस्नातक और पीएचडी के विषय पढानें के लिए अयोग्य माना जाता है। इस लेख को पढ़ने के बाद छात्र भी आंकलन कर सकते हैं कि वे कैसा विषय पढ़ रहे हैं और उसे पढ़ाने वाला किस स्तर का है ? माँ बाप का पैसा उचित जगह ही खर्च हो तभी छात्र को उस शिक्षा का लाभ हो सकता है। पीएचडी पढानें और थीसिस (रिसर्च) गाइड के लिए सुपरवायजर अथवा अध्यापक को उच्च कोटि का विषय ज्ञान और रिसर्च का वांछित स्तर का अनुभव रखना जरुरी है। यदि गाइड में वांछित अनुभव की कमी है तो वह संतोष स्तर की थीसिस छात्र को नहीं करा सकता। ऐसे में चालाकी से कुछ छात्र लाइब्रेरी से मिलती जुलती पूर्व की किसी थीसिस से कुछ भागों की नक़ल कर लेते हैं जो एक प्रकार से नक़ल करने के समान है।

कृषि महा विद्यालओं और विश्व विद्यालओं में सतत अनुसन्धान स्वरुप द्रुत गति से बढ़ती विषय सामठी का पढ़ाई में निरंतर समावेश भी कृषि शिक्षा में जरुरी है अन्यथा हाल ही में उपजी जानकारी से छात्र वंचित रह जायेंगे। इसलिए यूनिवर्सिटी के एक्ट और स्टटूस में विषय वार समिति ऑफ़ कोर्सेस भी गठित होती हैं जिसमें विभाग के सभी सीनियर अध्यापक और विश्वविद्यालय से बाहर के एक या दो आमंत्रित विशेषज्ञ नामित किये जाते हैं। इनकी उपस्तिथि से किसी अन्य विशेषज्ञ के ज्ञान का लाभ तो मिलता ही है विषय अपडेट करने में, अन्य संस्थानों में स्तिथि और स्तरों की सूचना भी मिल जाती है।

उपरोक्त सभी समितिओं की निर्धारित अंतराल पर बैठक आहूत की जाती है। विश्व विद्यालय में यदि विषय के अंतर्गत वांछित फैकल्टी नहीं हो तो उपरोक्त समितिओं का गठन संभव नहीं। सरकार में बैठे प्रशासनिक अधिकारिओं ने अपनी सोची समझी रणनीति के अनुसार रिक्त पदों पर चयन करने की परमिशन को सदैव टाला है। फलस्वरूप विभाग तो खाली हैं ही, महाविद्यालयों के स्तर पर भी साठ प्रतिशत और कहीं उससे भी अधिक पद या तो समाप्त किये जा चुके हैं या लम्बे समय से रिक्त ही चल रहे हैं।

आश्चर्य होता है कि विषय की पढ़ाई पूरी करने हेतु बाजार से (अचयनित) अपात्र को आमंत्रित कर पढ़ाई का उद्देश्य पूरा कर लिया जाता है। प्रवेश लेने वाले छात्रों को इन सब मदारीनुमा व्यवस्थाओं की पड़ताल और उनके भविष्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव का आंकलन नहीं होपाता। ऐसे षणयंत्र धोखाधड़ी के कारण छात्रों के लिए विध्वंशकारी होते हैं। कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली ने समान स्टैण्डर्ड कायम रखने की दृष्टि से सभी विषयों के नोट्स नेट पर उपलब्ध करा दिए हैं ताकि शिक्षक उनसे मदद ले सकें और छात्र भी विस्तृत नोट्स लिखने से निजात पा सकें। कौंसिल की इस पहल से लाभ की जगह नुक्सान अधिक हुआ है।

शिक्षकों की घोर कमी के रहते छात्रों ने इन नोट्स पर पूरी निर्भरता बना ली है। इससे वे लाइब्रेरी में टेक्स्ट बुक पढ़ने से भी मुक्ति पा चुके हैं जिससे वर्तमान में लाइब्रेरी में पढ़ने शायद ही कोई छात्र जाता हो। क्लास रूम में वांछित पढ़ाई न मिलने से ये नोट्स ही उनके लिए वरदान बन गए हैं। सरकार को भी इससे बड़ी राहत मिली है क्योंकि नई नियुक्तिओं से निजात पाने से सरकारी धन की बचत हो रही है। इस प्रकार क्लास रूम टीचिंग नगण्यप्राय है और आगे शायद कॉलेजों की भी जरुरत नहीं रहे पढ़ने वालों के लिए भविष्य में केवल सरकार किसी रजिस्ट्रेशन व्यवस्था को कायम कर सकती है जहाँ रजिस्टर करा छात्र नेट से विषय पढ़कर सीधे ऑनलाइन परीक्षा दे सकेंगे। इस प्रकार कॉलेजों की स्थापना और उन पर अनापसनाप खर्च से राजकीय कोष पर भार समाप्त प्राय हो जायेगा। समय बीतनें पर स्तिथि स्पष्ट होगी कि ऊँट किस करवट बैठता है ?

वर्तमान में विश्वविद्यालय में प्रबंध मंडल के बाद ऐकडेमिक कौंसिल, पोस्टग्रेजुएट कौंसिल, बोर्ड ऑफ़ स्टडीज और समिति ऑफ़ कोर्सेज शैक्षणिक पक्ष के लिए गठित होती हैं। अनुसन्धान और विस्तार शिक्षा व् किसानों के खेतों तक तकनिकी ट्रांसफर के लिए कृषि अनुसन्धान निदेशालय एवं उसके अंतर्गत बाहर के ज़िलों में अनुसन्धान केंद्र कार्यरत रहते हैं जिनका मुख्य काम नवीन तकनीकों का विकास और पुरानी में संसोधन उसी वातावरण में किया जाकर परिणाम विस्तार निदेशालय को प्रेषित करने होते हैं जो उसे खेतों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

वैसे तो विश्वविद्यालय के प्रत्येक वैज्ञानिक या शोधार्थी को शिक्षा, शोध और विस्तार तीनों दायुत्व निभाने होते हैं परन्तु दूरी, ट्रांसपोर्ट और मूल कार्य की उपेक्षा के रहते यह संभव नहीं हो पाता और शोध या विस्तार में लगा वैज्ञानिक दूसरी विधा में कार्य करने नहीं जा पाता। कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली की कार्य शैली अपनाते हुए कृषि विश्व विद्यालय भी अनुकरण करते हैं। लेकिन समुचित वैज्ञानिक संख्या न मिलने से इन केंद्रों पर भी शोध और विस्तार प्रभावित होता है। ये दोनों ही कार्य शोध और विस्तार हेड क्वार्टर पर उपलब्ध निदेशकों के अंतर्गत कार्य करते हैं। एक समयावधि पर दोनों ही निदेशालय अपने प्रगति आंकलन के लिए अपनी सम्बंधित समितिओं में सम्बाद कर किये गए कार्य का अनुमोदन कर रिपोर्ट विश्वविद्यालय को भेज देते हैं।

उपरोक्त वर्णित सभी प्रावधानों का जब आंकलन उद्देश्यों के परिपेक्ष में किया जाता है तो अनेक खामिआं उजागर होती हैं, जिनका निराकरण कभी होता नहीं और सतही लीपापोती कर इति श्री कर ली जाती है। हम उस पध्यति की तरफ अग्रसर हो रहे हैं जहाँ संभवत: फिर किसी समिति की जरुरत ही नहीं होगी। ठीक भी है उच्च शिक्षा में सरकारी हस्तक्षेप नगण्य ही रहे, तो उचित होगा। लेखक का मानना है कि अभी सम्बंधित छात्र और उनके अविभावक देखें कि उनके द्वारा अपने बेटा बेटी की कृषि शिक्षा पर खर्च और कम से कम चार वर्ष का समय कही बर्बाद तो नहीं हो रहा है? छात्र हित के लिए यह आवश्यक है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति और डेरी एवं खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर

राशिफल मंगलवार 9 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, आश्लेषा नक्षत्र र

सार-समाचार

फायरिंग मामले का एक आरोपी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। बालेसर पुलिस ने एक शादी समारोह में अवैध हथियार से फायरिंग करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना बालेसर थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में हुई थी। पुलिस ने इस मामले में आम्र्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि आरोपी को योजनाबद्ध तरीके से पीछा कर घेराबंदी कर पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी शिवनाथ सिंह की ढाणी रातडिय़ा, जिला जैसलमेर निवासी जगमाल सिंह पुत्र भंवर सिंह है। बालेसर थाना प्रभारी सीआई मूल सिंह भाटी ने बताया कि गत दिनों थाना बालेसर के हिस्ट्रीशीटर भवानी सिंह के व्हाट्सएप स्टेटस पर एक वीडियो था। इस वीडियो में भवानी सिंह, तुराला नाडा आमला, पुलिस थाना फलोदी निवासी सवाई सिंह पुत्र लाल सिंह सहित 3-4 अन्य लोग अवैध हथियारों से हवाई फायर करते हुए दिख रहे थे। इस वीडियो के आधार पर, बालेसर पुलिस थाना में हिस्ट्रीशीटर भवानी सिंह, सवाई सिंह और अन्य 3-4 व्यक्तियों के खिलाफ आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। इन पर बिना वैध लाइसेंस और अनुमति के अवैध देशी कट्टा और मजल लोडिंग बंदूक रखने और उनसे फायर करने का आरोप है। मामला दर्ज होने के बाद, बालेसर थाना प्रभारी सीआई मूल सिंह भाटी के नेतृत्व में हिस्ट्रीशीटर भवानी सिंह और अन्य आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गईं। पुलिस अब भी हिस्ट्रीशीटर भवानी सिंह की तलाश कर रही है।

जल संरक्षण के लिए सम्मान किया

जोधपुर, (कासं)। सम्भाग स्तरीय वाटरशेड महोत्सव कार्यशाला सोमवार को महिला पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर के ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों से प्रत्येक पीएमकेएसवाई-20, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.1 एवं 2.2 की प्रत्येक योजना से प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यशाला जल संरक्षण, जल प्रबंधन तथा वाटरशेड विकास से जुड़े नवाचार एवं अनुभव साझा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यक्रम स्थल पर विभागीय प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें सभी जिलों के साथ अन्य विभागों एवं संस्थाओं के स्टॉल प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, वाटरशैड कप प्रतियोगिता के दौरान भामाशाहों के योगदान पर विशेष सत्र आयोजित हुए तथा परियोजनाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, कलेक्टर गौरव अग्रवाल सहित कई प्रशासनिक व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जोधपुर, (कासं)। वर्तमान सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में साप्ताहिक समीक्षा एवं विशेष तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 10 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक प्रस्तावित कार्यक्रमों की गतिविधियों एवं आयोजन रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया और संबंधित नोडल अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलक्टर ने कहा कि 2 वर्ष के कार्यकाल उपलक्ष्य में होने वाले आयोजनों के माध्यम से शासन के जन-कल्याणकारी संकल्प और विकासात्मक उपलब्धियों का संदेश जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विभाग पूर्ण समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करे। साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान विभिन्न विभागों की उपलब्धियों, जनशिकायत निस्तारण की स्थिति, न्यायालयीन प्रकरणों, मुख्यमंत्री एवं वीआईपी प्रकोष्ठ से संबंधित विषयों, मानवाधिकार आयोग संदर्भों, लोकायुक्त प्रकरणों तथा अंतर्विभागीय समन्वय पर चर्चा की गई।

मॉनिटरिंग समिति की बैठक आज

जालोर, (का.सं.)। जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति की बैठक कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में 9 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) कपिल लूणा ने दी।

बेटे की हत्या के दोषी पिता को मिली पैरोल

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मुन्नुरी लक्ष्मण और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने आजीवन कारावास के दोषी लक्ष्मणदास को बीस दिन की पहली पैरोल की अनुमति दी है। कोर्ट ने पैरोल अस्वीकार करने वाले जिला पैरोल सलाहकार समिति के 14 जुलाई के आदेश को रद्द किया है।

दरअसल प्रताप नगर संजय ए कॉलोनी निवासी लक्ष्मणदास पुत्र खेमचंद को ट्रायल कोर्ट ने अपने ही बेटे की हत्या का दोषी करार दिया था। वह वर्तमान में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। फिलहाल ओपन एयर कैंप बाड़मेर में है। उसने अपनी पहली बीस दिन की पैरोल के लिए यह याचिका दायर की थी। जिला पैरोल सलाहकार समिति, जोधपुर ने 14 जुलाई को याचिकाकर्ता की पैरोल याचिका को अस्वीकार कर दिया था। यह अस्वीकृति मुख्य रूप से पुलिस उपायुक्त, (पश्चिम) और परिवीक्षा एवं कारागार कल्याण अधिकारी की रिपोर्ट पर आधारित थी, जिन्होंने परिवार और पड़ोसियों की आपत्तियों के आधार पर पैरोल की सिफारिश नहीं की थी। कोट में याचिकाकर्ता के लिए उपस्थित एमीकस क्यूरी अंजलि कौशिक ने तर्क दिया कि पैरोल का उद्देश्य अपराधी का पुनर्वास और समाज में पुनर्समावेश है। चूंकि याचिकाकर्ता ने ओपन एयर कैंप में रहते हुए जेल में अच्छा आचरण प्रदर्शित किया है, इसलिए पैरोल से इनकार करना गलत है। राजस्थान हाईकोर्ट ने पैरोल प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि वर्तमान पैरोल व्यवस्था में ऐसे कैदियों के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जो बेघर हैं, जिनका कोई अभिभावक नहीं है या परिवार का समर्थन नहीं है। कोर्ट ने कनाडा जैसे विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कम्युनिटी करेक्शन सेंटर और रेजिडेंशियल फैसिलिटीज हैं, जो बिना घर और परिवार वाले पैरोलियों को आवास और भोजन उपलब्ध कराती हैं। कोर्ट ने कहा कि यह समय है कि सरकार अपनी पैरोल नीति पर पुनर्विचार करें, ताकि ऐसे कैदियों की स्थितियों का ध्यान रखा जा सके जिनके पास रहने के लिए जगह या देखभाल करने वाला कोई नहीं है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट ने कहा कि पैरोल का उद्देश्य कैदी के अच्छे आचरण को प्रोत्साहित करना है, और यह पुनर्वास और समाज में पुनसमावेश का एक अवसर है। कोर्ट ने माना कि समिति याचिकाकर्ता के अनुमोदित आचरण की सराहना करने में विफल रही। चूंकि याचिकाकर्ता के परिवार/रिश्तेदारों ने उसके साथ रहने से इनकार कर दिया, कोर्ट ने उसे बिना निवास और देखभाल करने वाले व्यक्ति के रूप में माना। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पैरोल को केवल इसलिए अस्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि पैरोली के पास स्थायी निवास, देखभाल करने वाला या अभिभावक नहीं है।

हवाई उड़ानें रद्द होने पर रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष व्यवस्था की

जोधपुर, (कासं)। हावड़ा-जोधपुर के बीच हवाई उड़ानें रद्द रहने और नियमित ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए उनकी सुविधार्थ विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया। ट्रेन एक ट्रिप के लिए मंगलवार को हावड़ा से रवाना होगी।

जोधपुर मंडल डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन संख्या 04808 हावड़ा-जोधपुर स्पेशल ट्रेन मंगलवार को हावड़ा से रात्रि 11 बजे प्रस्थान कर गुरुवार सुबह 11.50 बजे जोधपुर पहुंचेगी। ट्रेन प्रयागराज-टूंडला-जयपुर मार्ग से संचालित होगी। विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कुल 21 कोच लगाए गए हैं जिसमें 1 फर्स्ट मय एसी, 2 सेकंड एसी, 7 थर्ड एसी, 6 स्लीपर, 3 जनरल, 2 गार्ड (एसएलआर) को शामिल हैं। सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि विशेष ट्रेन मार्ग के 27 स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ये स्टेशन वर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, धनबाद, कोडरमा, गया, सासाराम, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह, अछनेरा, भरतपुर, बांदीकुई, गांधी नगर जयपुर, जयपुर, फुलेरा, नावा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, रेन, मेड़ता रोड, गोटन और पीपाड़ रोड है।

सूरसागर क्षेत्र में नकली घी के कारोबार का भंडाफोड़

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र में नकली घी को लेकर कार्रवाई की गई है।

जोधपुर इन दिनों नकली घी का मार्केट बनने की तरफ अग्रसर है। मंडोर मंडी के बाद अब जोधपुर में सूरसागर क्षेत्र में भी नकली घी का कारोबार पकड़ा गया है। हालांकि कितना नकली घी पकड़ा गया है इसका खुलासा नहीं हो सका है। मौके से टीम को क्षीर ब्रांड के नाम से घी मिला है।

गैरतलब है कि नकली घी को लेकर लंबे समय से शिकायत मिल रही थी, और इसी आधार पर पुलिस टीम की ओर से कारवाई की गई है। नकली महज 200 से 250 रुपए प्रति लीटर में तैयार कर उसे मार्केट में 500 से 700 रुपए प्रति लीटर की रेट से बेचा जाता है।

थाना अधिकारी हरीश सोलंकी ने बताया कि सूरसागर क्षेत्र के मावड़ियो की घाटी में ये पूरी कार्रवाई की गई। मौके से 23 डब्बे क्षीर ब्रांड का घी बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपी को पकड़ा गया है। फिलहाल मामले में अनुसंधान जारी है। जोधपुर में इन दिनों शादियों की सीजन चल रही है, ऐसे में शादियों के समय में घी की खपत भी बढ़ जाती है और इसी का फायदा उठाकर नकली घी बेचने वाले सक्रिय हो जाते हैंऔर डिब्बों पर असली कंपनी का लेबल लगाकर नकली घी बाजार में उतार देते हैं।

टीम की ओर से पूर्व में मंडोर मंडी में नकली घी को लेकर ब्लॉक 11 में अक्षत ट्रेडिंग कंपनी पर कार्रवाई की गई थी। वहां अलग-अलग ब्रांड के टीन के डब्बे मिले थे।

कार्रवाई के दौरान टीम ने मिक्स घी के कई ब्रांडों के टीन, खाली कार्टन, सीलिंग मशीन और ढक्कन बरामद किए। पुलिस ने क्षीर ब्रांड के 15 लीटर के 20 टीन, प्राइड ब्रांड पाम ऑयल के 8 टीन और 37 खाली टीन जब्त किए थे। साथ ही हीटिंग मशीन, सील करने वाली मशीन, घी मिक्स करने के जार और ढक्कनों के साथ पैकिंग सील भी मिली थी।

रोवर रेंजर के लिए जंबूरी 9 जनवरी से

पाली, (नि.सं.)। भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में प्रथम रोवर रेंजर जंबूरी का आयोजन 9 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं कॉलेज में अध्ययनरत 15 से 25 साल के सीनियर स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर के लिए 75 साल में पहली बार राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन बुडली बालोद छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है।

समय पर उपलब्धि अर्जित करें : प्रताप

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला कलैक्टर प्रतापसिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में उन्होंने जिले में संचालित फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं, विभिन्न विभागों के प्रगतिरत कार्यों, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त परिवादों, सम्पर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों, विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, ई-फाइलिंग, अंतर्विभागीय मुद्दों, ई-श्रम योजना, प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पी.एम सूर्यघर योजना, कर्मभूमि से मातृभूमि योजना सहित अन्य गतिविधियों की विस्तार से प्रगति की समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवंटित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि वे पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य कार्ड वितरण कार्य में गति लावे एवं समय पर कार्ड वितरण कराये। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मि रानी, उपखण्ड अधिकारी सक्षम गोयल के साथ ही विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

यातायात सुचारू करने की मांग

जालोर, (कासं)। शिव सेना जालोर के जिला प्रमुख रुपराज राजपुरोहत ने सोमवार को जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौपकर कानीवाडा हनुमान मंदिर में यातायात व्यवस्था सुचारु करने की मांग की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्ञापन में बताया कि कानीवाडा हनुमानजी मंदिर के बाहर बढते ट्रैफिक जाम, एम्बुलेंस रुकने की गंभीर समस्या, प्रसाद दुकानों की अव्यवस्थित स्थिति एवं बायपास सडक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

मंदिर के बाहर यातायात व्यवस्था सुचारु करने के साथ एक पुलिस कर्मी नियमित रुप से तैनात करने सहित अन्य मांगो को पुरा करने की मांग की गई।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सायला (जालौर)

(पुराना बस स्टेण्ड, सायला-343022) E-mail : mbsayla2024@gmail.com

क्रमांकः न.पा.सा./69A/2025/781 दिनांकः- 03.12.2025

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों द्वारा 69-क के तहत आवासीय व वाणिज्यिक पट्टा एवं भवन निर्माण स्वीकृति हेतु कार्यालय में पत्रावली प्रस्तुत की गयी है। इस संबंध मे किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 7 (सात) दिवस में मय सबूत दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा बाद म्याद गुजरने पर कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित रहें, जो पत्रावली विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.स.	पत्रावली सं.	प्रार्थी का नाम	पिता/पति का नाम	मौहल्ला/वार्ड संख्या	भूमि का क्षैत्रफल वर्गमीटर	नियमन हेतु
1	23/2025	श्रीमति पुष्पा देवी	श्री भंवरलाल सेन	मारूति नगर कॉलोनी सायला	86.54 व.मी	आवासीय
2	24/2025	श्री भैरू सिंह	श्री हुकमसिंह	राजाराम नगर गोलिया सायला	232.34 व.मी	आवासीय
3	25/2025	श्री गणपत भारती	श्री करना भारती	पुराना बस स्टेण्ड सायला	36.46 व.मी	आवासीय

भवन निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन पत्रावली

क्र.स.	पत्रावली सं.	प्रार्थी का नाम	मौहल्ला /वार्ड संख्या	भूमि का क्षैत्रफल	प्रयोजनार्थ
1	02/2025	स्माइल खान/तगे खान	चौधरी समाज भवन रोड सायला	132.43 व.मी.	आवासीय

राज.संवाद/सी/25/15260 अधिशाषी अधिकारी

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री भजन लाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रवासी राजस्थानी दिवस
10 दिसम्बर 2025 • जयपुर

देश-दुनिया में जिन्होंने बढ़ाया मान
उनके स्वागत में तैयार है राजस्थान

हमारे प्रवासी राजस्थानी भाई-बहनों ने अपनी कुशलता और कर्मठता से देश-विदेश में नाम कमाया और राजस्थान की धरती को गौरवान्वित किया।

प्रवासियों को राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने हर वर्ष 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के आयोजन की पहल की।

प्रवासी राजस्थानी दिवस का पहला आयोजन 10 दिसम्बर 2025 को जयपुर में किया जा रहा है। प्रवासियों के साथ हमारे इस रिश्ते को मज़बूत करने में यह आयोजन एक अहम कड़ी है।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए राजस्थान सरकार की पहल
- प्रवासी राजस्थानियों हेतु नए विभाग का गठन
- राजस्थान फाउण्डेशन के 14 नए चैप्टर गठित, 12 पुराने चैप्टर्स को किया सक्रिय
- नई प्रवासी राजस्थानी नीति

प्रवासियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए 8 विशेष सत्र
- प्रवासी राजस्थानी संवाद
- उद्योग
- शिक्षा
- जल संसाधन
- नवीन एवं अक्षय ऊर्जा
- स्वास्थ्य
- पर्यटन
- खनन

राजस्थान संवाद

2 साल नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

आयोजक
Rajasthan Foundation
BIP RAJASTHAN
RIICO GROW WITH RAJASTHAN

इंडस्ट्री पार्टनर
CII Confederation of Indian Industry

हादसे में महिला सहित तीन लोगों की मौत

निजी बस बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलटी खाई

जयपुर/हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना इलाके के मानकसर में सोमवार सुबह एक निजी बस बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चौदह यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस में सवार घायल यात्रियों को संगरिया पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। इनमें से 3 घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रैफर किया गया है।

हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने बताया कि यह हादसा सोमवार सुबह तब हुआ जब हनुमानगढ़ से डबवाली की ओर जा रही एक निजी बस एक बाइक से टकरा गई। इस टक्कर के बाद पोल से टकराकर बस बेकाबू होकर पलट गई।

इस हादसे में बाइक सवार नगराना निवासी लखविंदर सिंह (40) और बग्गा सिंह (28) की मौके पर ही मौत हो गई। बस पलटने से बस में सवार गंभीर रूप से घायल हनुमानगढ़ टाउन की नई आबादी निवासी महिला कमलदीप कौर (35) ने भी दम तोड़ दिया। वहीं रामपुर (यूपी) निवासी अनवर अली (45), श्रीकरणपुर (वार्ड 9) निवासी (62), सुरेशिया निवासी सुरेंद्र कुमार (45), सुरेशिया निवासी सुखचरण सिंह (29), सुरेशिया निवासी मसान लाल (45), ऐलनाबाद (हरियाणा) निवासी अजय कुमार (24), जंडावाली निवासी महेंद्र सिंह (70), हुडको कॉलोनी निवासी आनंद पांडे (40), कणवाली रावतसर निवासी कालूराम (47) (जो वर्तमान में संगरिया में हेड कांस्टेबल हैं) और श्रीगंगानगर की पुष्पा (40) घायल हो गए। इनमें से तीन घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। एसपी हरी शंकर ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि बाइक सवार युवक नगराना गांव के रहने वाले थे और घटनास्थल के पास एक होटल से निकले थे। पुलिस ने बस को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

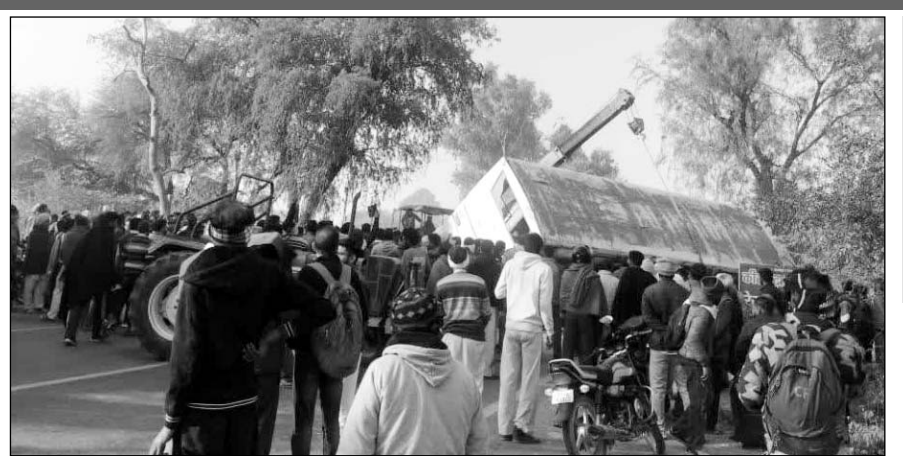

हनुमानगढ़ जिले के संगरिया थाना इलाके के मानकसर में सोमवार सुबह एक निजी बस पलटने के बाद मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई।

- **बस में सवार घायल यात्रियों को संगरिया पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।**

'विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये'

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने निर्देश दिए हैं कि ब्लॉक ऑवर सप्लाई को मेंटेन कर रबी सीजन में कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को व्यवधान रहित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही सप्लाई की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए मुख्यालय से निचले स्तर तक अधिकारी भेजे जाएं, जो कि ट्रिपिंग वाले ग्रिड सब स्टेशनों तथा फीडर को चिन्हित कर उनमें लोड प्रबंधन की बेहतर प्लानिंग करें। नागर रबी सीजन में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्थाओं की मंगलवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए। साथ ही प्रसारण निगम के स्तर पर भी बढ़े हुए लोड के अनुरूप पावर ट्रांसफार्मर्स की क्षमता वृद्धि के उपाय अभी से कर लिए जाएं। बैठक में प्रमुख शासन सचिव (ऊर्जा) अजिताभ शर्मा ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं तथा आरडीएसएस के अन्तर्गत कृषि एवं गैर कृषि फीडर सेग्रीगेशन कार्य को गति देने के निर्देश दिए। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने मांग एवं इसके अनुरूप वितरण निगमों द्वारा की जा रही आपूर्ति की जानकारी दी। बैठक में ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध निदेशक ओम कसेरा तथा उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेन्द्र श्रृंगी ने विद्युत उपलब्धता के बारे में बताया।

तीन दोषियों को कारावास

कोटा। अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के करीब साढ़े पांच वर्ष पुराने मामले में एनडीपीएस न्यायालय ने सुनवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा तस्करी के तीन आरोपीयो को दोषी मानते हुए दस-दस वर्ष के कोर कारावास साथ ही 1,00,000 जुर्माने की सजा से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक महेंद्र सिंह निर्भय ने बताया कि 18 जनवरी 2020 को थानाधिकारी थाना कुन्हाड़ी कोटा शहर ने नाकाबंदी के दौरान एक कार को डिटेन किया, जिसमें तीन जने बैठे हुए थे। कार में पीछे की सीट पर बैठे हुए दोनों शख्सों के बीच में एक काले रंग का बैग रखा हुआ था। पुलिस टीम ने संदेह होने पर बैग की तलाशी ली तो बैग में से अवैध मादक पदार्थ 21 किलो गांजा बरामद किया।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 03/12/2025

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.9(1)41/CC/2022/2025-18 Dated 03.12.2025 UBN No. MML2526GLOB00113	कसनाऊ मातासुख लिग्नाइट माइंस गांव-मातासुख तहसील-जायल नागौर में एक 11/V3 केवी न्यूट्रल ग्राउंडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रू.) 10.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 20,800/-, निविदा राशि– 1180/- अहस्तान्तरणीय जी.एस.टी. सहित। ई-निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500/- का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी-अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/15271 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

OFFICE OF MEMBER SECRETARY, RAJASTHAN MEDICARE RELIEF SOCIETY SUPER SPECIALITY HOSPITAL, UDAIPUR

No. RMRS/2025-26/630 Date: 01.12.2025

Notice inviting bid

Bids for various items of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto 23.12.2025, 10.00 Am. Other praticulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in of the state.

UBN NO. 1. MCU2526GLRC00307. The approximate value of the procurement is Rs. 20 lac.
UBN NO. 2. MCU2526GLRC00308. The approximate value of the procurement is Rs. 30 lac.

Member Secretary
Rajasthan Medicare Relief Society
SSH, Udaipur

DIPR/C/17962/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा.अभि.विभाग, वृत प्रतापगढ

E-Mail: secircle.pra.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक- अअ/प्रताप/निविदा/2025-26/2262-2267 दिनांक-02.12.2025

ई-निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा सक्षम श्रेणी में मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों से जिला प्रतापगढ के कार्या हेतु ऑनलाईन निविदा सं. 09-10/2025-26 आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य सभी विस्तृत विवरण मय नियत तिथियों के http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर भी देखे जा सकते हैं।

UBN NO. As follows-
NIT-9- PHE2526WSOB09300, NIT-10-PHE2526WSRC09301

(शिवदयाल मीना) अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
वृत-प्रतापगढ (राज.)

DIPR/C/17987/2025

फैक्ट्री में आग से नुकसान

भीलवाड़ा। सोमवार तडके स्वरूपगंज स्थित रीको ग्रोथ सेंटर की नीता एंटरप्राइजेज गत्ता फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में हडकंप मचा दिया। घने धुएं के गुबार ने कुछ ही मिनटों में फैक्ट्री परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। अल सुबह काम पर मौजूद मजदूरों ने स्थिति बिगड़ती देख तुरंत हमीरगढ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाप्रभारी सुनील बेड़ा मौके पर पहुंचे और हालात गंभीर देखकर तत्काल अग्निशमन विभाग को बुलाया। दमकल वाहनों ने पहुंचकर करीब डेढ़ घंटे की कडी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस व अग्निशमन दल ने समय रहते आग की लपटों को दूसरे शेड तक फैलने से रोका।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से राहत

जोधपुर पॉक्सो केस में पीड़िता की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटीशन खारिज

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने रेप केस में सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से मिली 6 महीने की अंतरिम जमानत रद्द करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस पामिडिघंटम नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने जोधपुर पॉक्सो केस में पीड़िता की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटीशन खारिज कर दिया।

पीड़िता ने 21 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल की थी। इसमें राजस्थान राज्य और आसाराम बापू उर्फ आशुमल को प्रतिवादी बनाया गया था। इसे क्रिमिनल लॉ कैटेगरी के तहत बच्चों के खिलाफ अपराध व पॉक्सो एक्ट 2012 की श्रेणी में दर्ज किया गया।

सोमवार को सुनवाई में दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। आसाराम बापू को जोधपुर केस में राजस्थान हाईकोर्ट से 29 अक्टूबर को 6 महीने की अंतरिम जमानत मिली थी। उसी दिन पीड़िता की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट के इस आदेश को चुनौती देने के लिए एडवोकेट अल्जो के. जोसेफ ने 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में एप्लिकेशन दाखिल की थी।

इनमें स्पेशल लीव पिटीशन दायर करने की अनुमति, राजस्थान हाईकोर्ट के विवादित निर्णय की सर्टिफाइड कॉपी दाखिल करने के लिए छूट के लिए आवेदन किए गए थे। इसके बाद पीड़िता की ओर से यह स्पेशल लीव पिटीशन दायर होकर 8 दिसंबर को सूचीबद्ध होने से कई दिनों पहले ही आसाराम बापू ने 3 नवंबर को एडवोकेट निशांत बिश्नोई के माध्यम से कैवियट दाखिल कर दी थी, जो 24 नवंबर को इस मामले से लिंक हुई ताकि बिना सुने कोई एकतरफा आदेश न हो सके। आज यह मामला सुप्रीम कोर्ट में बेल मैटर्स श्रेणी में लिस्ट होकर सुना गया, जहां पीड़िता की ओर से एडवोकेट अल्जो के. जोसेफ और आसाराम बापू के वकील पेश हुए।

- **पीड़िता ने 21 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दाखिल की थी। इसमें राजस्थान राज्य और आसाराम बापू उर्फ आशुमल को प्रतिवादी बनाया**

दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जाने वाली 6 फ्लाइट कैंसिल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस का शेड्यूल लगातार गड़बड़ाया हुआ है। इंडिगो की आज छह फ्लाइट कैंसिल की गई है। ये फ्लाइट्स दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद के लिए जोधपुर से जाने वाली थी। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक जोधपुर से तीन फ्लाइट हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली शहरों से आती है। यहां से वापस इन शहरों के लिए जाती है।

इससे पहले रविवार को भी एयरपोर्ट से चार आने वाली और जाने वाली फ्लाइट को कैंसिल किया गया था। हालांकि यहां पर शनिवार को एयरपोर्ट पर फ्लाइट का संचालन नियमित हो गया था।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-वि.सं.12/Exam/Inspector(G&B)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक- 08.12.2025

आयोग द्वारा कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभाग के लिए राजस्थान कारखाना तथा बायलर्स निरीक्षक और कारखाना निरीक्षक (रसायन) सेवा नियम, 1958 के अन्तर्गत निरीक्षक, कारखाना एवं बॉयलर्स (Inspector of Factories & Boilers) के 12 पदो तथा निरीक्षक, कारखाना (रसायन) (Inspector of Factories (Chemical) के 01 पद पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। शैक्षणिक योग्यता आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदां हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 23 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 14.12.2025 से दिनांक 12.01.2026 रात्रि 12.00 बजे तक
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध मे यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/18217/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

हथियारों के साथ 50 हजार के इनामी सहित दो बदमाश पकड़े

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट की महामंदिर पुलिस ने अवैध हथियारों को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने उदयपुर के हिस्ट्रीशीटर को उसके साथी के साथ गिरफ्तार किया है। इसमें एक बदमाश पचास हजार रुपए का इनामी है। आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर की मर्डर की प्लानिंग कर रहे थे। आरोपियों के कब्जे से तीन पिस्टल, दो कारतूस और एक क्रेटा कार भी जब्त की गई है। पुलिस अब उनसे हथियारों को लेकर पूछताछ कर रही है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश ने बताया कि कमिश्नरेट पुलिस संगठित अपराधियों को चिन्हित करके कार्रवाई कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ आपराधिक तत्व यहां घूम रहे हैं। डीसीपी (पूर्व) पीडी नित्या की मॉनिटरिंग में इस सूचना को बीट कांस्टेबल प्रकाश ने डेवलप किया। इसके आधार पर पचास हजार के इनामी बदमाश उदयपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर नरेश वाल्मीकि और जैसलमेर निवासी अमन वाल्मीकि को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से तीन पिस्टल और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी नरेश के खिलाफ अलग-अलग थानों में करीब 37 मुकदमे दर्ज है। वहीं अमन के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं। इनके खिलाफ 111 की धारा लगाई गई हैं। जो संगठित अपराधियों के खिलाफ लगाई जाती है। दोनों को भदवासिया इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी नरेश के खिलाफ उदयपुर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। आरोपी इसके चलते फरार चल रहा था। आरोपी आने वाले समय में उदयपुर के ही हार्डकोर अपराधी प्रवीण कसेटा की हत्या की साजिश रच रहा था। प्रवीण अंबामाता थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

- **तीन पिस्टल व दो कारतूस बरामद**
- **क्रेटा कार जब्त, हिस्ट्रीशीटर को मारने के लिए कर रहे थे प्लानिंग**

बिजली के तार गिरने से किसान की मौत

जोधपुर, (कासं)। देचू थाना क्षेत्र के पूनियों की ढाणी गोविंदपुरा गांव में बिजली के तार गिरने से एक किसान की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया। यह घटना 11 हजार केवी की बिजली लाइन के जर्जर पोल गिरने के कारण हुई। जानकारी के अनुसार 11 हजार केवी की विद्युत लाइन पर लगे सात जर्जर पोल अचानक गिर गए। इससे 11 केवी के तार पास से गुजर रही एलटी लाइन पर गिरे, जिससे एक ट्रांसफार्मर भी नीचे आ गया। एलटी लाइन में विद्युत आपूर्ति चालू होने के कारण दो किसान इसकी चपेट में आ गए। हादसे में खेताराम मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चेनाराम गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे देचू अस्पताल से जोधपुर रेफर किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि देचू डिस्कॉम को इन जर्जर बिजली के पोलों के बारे में पहले ही सूचित किया गया था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी थी कि ये पोल कभी भी किसी की जान ले सकते हैं, लेकिन डिस्कॉम के अधिकारियों ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

बीकानेर मंडी से हर रोज करीब 40 लाख बोरी मूंगफली गुजरात के व्यापारी खरीद रहे

बीकानेर। गुजरात इस बार राजस्थान की मूंगफली मांग रहा है। हालात ये है कि बीकानेर में इस बार मंडी में आई अब तक फसल में से 50 फीसदी मूंगफली गुजरात जा चुकी है। वहीं गुजरात से बीकानेर में होने वाली मूंगफली विदेशों तक में सप्लाई हो रही है। इन सभी कारण गुजरात में इस बार बारिश से हुई फसल खराबा है।

दावा किया जा रहा है कि मूंगफली उत्पादन में बीकानेर ने इस बार गुजरात को पीछे छोड़ दिया है। इधर, बढ़ ती डिमांड से मूंगफली के दाम भी बढ़ गए है। इस बार मूंगफली की फसल बेहतर हुई है। इसका दाना भी अच्छा होने की वजह से डिमांड बढ़ गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में इस बार 46 लाख टन मूंगफली का उत्पादन होने की संभावना है। मंडियों में भी मूंगफली पहुंच चुकी है लेकिन बारिश की वजह से इस बार गुजरात में इसकी फसल प्रभावित हुई है।

बताया जा रहा है कि बारिश की वजह से खेतों में काफी पानी भर गया था। जमीन पथरीली होने के कारण वहां पानी फसल के ऊपर ही रहा, जिससे फसल खराब हुआ। ऐसे में इस बार दाना काफी छोटा और गीला निकला। लेकिन, उसकी तुलना में इस बार बीकानेर में गुजरात जैसी फसल हुई है। यहां इस इस बार दाना बड़ा और सूखा है। ऐसे में वहां के प्रोसेसिंग यूनिट और व्यापारियों में राजस्थान में होने वाली मूंगफली की डिमांड में अचानक बढ़ोतरी आई है।

बीकानेर मंडी में रोजाना डेढ़ लाख बोरी पहुंच रही है। कृषि मंडी के अधिकारियों के अनुसार इस बार 2 करोड़ क्विंटल बोरी इस बार बीकानेर की मंडी में आएगी।

गुजरात में इतनी डिमांड बढ़ चुकी है कि रोजाना बीकानेर मंडी से हर रोज करीब 40 लाख बोरी गुजरात के व्यापारी खरीद रहे है। वहीं पिछले पांच वर्षो में बीकानेर में मूंगफली का उत्पादन में लगातार बढ़ ता जा रहा है। इसका आंकड़ा देखे तो लगातार दूसरी बार सबसे ज्यादा 8 लाख 70 हजार मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है। ये ही कारण है कि इस बार भी बीकानेर की मंडी पूरी तरह मूंगफली से अटी पड़ी है। हर रोज डेढ़ लाख बोरी मंडी पहुंच रही है। मूंगफली की बढ़ ती डिमांड की वजह से इस बार भाव भी बढे है। पिछली साल की तुलना में प्रति क्विंटल 500 रुपए का मुनाफ हो रहा है। इस बार मूंगफली 5500 से 6500 रुपए क्विंटल के आस-पास बिक रही है।

- **गुजरात में बारिश की वजह से खराबा हुआ**
- **यूरोप और थाईलैंड तक होती है सप्लाई**

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर

पी.एच.ई.डी. कैम्पस इण्डस्ट्रीयल एरिया के.जी. कॉम्पलेक्स के पास, रानीबाजार, बीकानेर (334001)

क्रमांक-7070-7089 दिनांक-03.12.2025

Notice Inviting Bid- 126to130/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 17.12.2025 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 224.96 Lacs.

NIT NO.	126	127	128	129	130
UBN NO.	PHE2526 WSOB09326	PHE2526 WSOB09328	PHE2526 WSOB09329	PHE2526 WSOB09330	PHE2526 WSOB09331

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर

DIPR/C/18043/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांक-1903-12 दिनांक-01.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 12/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरू में निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी.डब्ल्यू.ए. 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एवं विभागीय वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB NO. PWD2526A4578, UBN NO. 1. PWD2526WSOB18153, 2. PWD2526WSOB18154

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड राजगढ (चूरू)

DIPR/C/17969/2025

मुख्यमंत्री ने राजस्व से संबंधित विभागों की समीक्षा की

राज्य के सर्वांगीण विकास में राजस्व की भूमिका अहम, वृद्धि के लिए बनाएं लक्ष्य आधारित कार्य योजना

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस दिशा में विभिन्न विकास परियोजनाएं और जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने और जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्बाध संचालन में राजस्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समर्पित होकर कार्य करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आबकारी, परिवहन, कॉमर्शियल टैक्स तथा पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 69 हजार 627 करोड़ रुपये के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा गया था। इसे हासिल करने के क्रम में नवम्बर माह तक कुल 84 हजार 746 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आगामी तिमाही में राजस्व वृद्धि के लिए लक्ष्य आधारित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जीएसटी की दरों में कमी का लाभ उपभोक्ता को मिलना हो सुनिश्चित। शर्मा ने कॉमर्शियल टैक्स विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों से देश और प्रदेश के आमजन को काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जीएसटी की दरों में की गई कमी का सीधा लाभ उपभोक्ता तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने फर्जी करदाताओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि कर चोरी रोकने और पारदर्शी कर व्यवस्था लागू करने के लिए सख्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए। सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के हो परमिट जारी मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक परिवहन हेतु नई बसों के अधिक से अधिक परमिट जारी किए जाएं जिससे आमजन को आवागमन में सुविधा होने के साथ ही, राज्य सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की।

युवा विचार गोष्ठी में मतदान के महत्व पर चर्चा

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि एक सचेत मतदाता में स्वयं के कर्तव्य एवं दायित्व का अहसास, राष्ट्र की बुनियादी समत्याओं की समझ उनके समाधान के संबंध में मौलिक सोच एवं इस हेतु सक्षम सरकार एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि की सुनिश्चित संकल्पना व परिकल्पना होनी चाहिए। राजेश्वर सिंह मतदान का अधिकार : जनतंत्र का आधार विषयक युवा विचार गोष्ठी को जे. एल. एन. मार्ग स्थित महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज के सेमिनार हॉल में संबोधित कर रहे थे। इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में कनोड़िया महाविद्यालय की छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में मतदान के महत्य तथा लोकतांत्रिक व्यवत्था में मतदाता के अविकार कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। एक जागरूक मतदाता को न केवल मतदान प्रकिया में अनिवार्य रूप से हिस्सा लेना चाहिए वरन अन्य मतदाताओं को मी प्रेरित करना चाहिए। उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति, सिद्धान्त कार्यक्रम कार्ययोजना एवं कार्यप्रणात्री का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए तथा प्रत्याशियों की व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिवद्वता, जनसमस्याओं की समझ, तत्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षिणक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। सिंह ने कहा कि जब तक पंचायतीराज संस्थाएं एवं नगरीय निकाय सशवत सक्षम एवं प्रमावी नहीं होगे तथा स्थानीय स्तर पर सुयोग्य नेतृत्व का विकास नहीं होगा तब तक राष्ट्र का सर्वोतोमुखी एवं सर्वसमावेशी विकास असंभव है। स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं के सशक्तिकरण से ही लोकतंत्र में आमजनता की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय त्तमत्त्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान समय हो सकेगा।

राजेश्वर सिंह ने विचार गोष्ठी को संबोधित किया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl
अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl
जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
वेबसाइट : www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 64(2) के अंतर्गत सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर (सभी तीनों राजस्थान डिस्कॉम्स की ओर से) ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष याचिका संख्या 2365/2025 दायर की है। यह याचिका विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 62 तथा धारा 64 के अंतर्गत, तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग(रा.वि.वि.आ.) द्वारा जारी रा.वि.वि.आ. (टैरिफ विनिर्धारण हेतु निबन्धन व शर्तें) विनियम, 2025 के संदर्भ में, दोहरी-स्रोत आपूर्ति (Dual-Source Supply) से संबंधित प्रस्तावित टैरिफ संशोधनो की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है।

याचिका की प्रतियाँ निरीक्षण/अवलोकन हेतु तथा 100 रू के भुगतान पर विक्रय के लिए आयोग कार्यालय में तथा निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं:

1. जयपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय– विद्युत भवन, जन पथ, ज्योति नगर, जयपुर।
2. अजमेर डिस्कॉमत का मुख्य कार्यालय– अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, विद्युत भवन, पंचशील नगर, माकरवाली रोड, अजमेर।
3. जोधपुर डिस्कॉम का मुख्य कार्यालय– जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, न्यू पावर हाउस, बसनी, जोधपुर।

याचिका निगमो की वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर तथा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग की वेबसाइट www.rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

जो व्यक्ति टिप्पणियाँ/सुझाव प्रस्तुत करना चाहते हैं, वे सहायक विवरणों सहित तथा रा.वि.वि.आ. (कार्य का सम्पादन) विनियम, 2021 के फार्म–3 में शपथ पत्र के साथ, छह प्रतियों में, प्राप्ति अधिकारी, राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग, विनियामक भवन, सहकार मार्ग, जयपुर–302001 के कार्यालय में जमा कर सकते हैं, ताकि वे प्राप्ति अधिकारी को 24/12/2025 तक प्राप्त हो जाएँ।

टैरिफ में प्रस्तावित संशोधन

1. **टैरिफ में नई परिभाषा जोडना**
   निम्नलिखित परिभाषा जोड़ी जाएगी:
   "दोहरी–स्रोत आपूर्ति: ऐसी विद्युत आपूर्ति जो दो स्रोतों से प्रदान की जाती है, जिसमें दोनों स्रोतों से विद्युत का एक साथ या स्टैंडबाय उपयोग किया जा सकें।"
2. **HT/EHT टैरिफ अनुसूचियों में नोट जोड़ना**
   टैरिफ की सभी HT और EHT टैरिफ अनुसूचियों में निम्नलिखित नोट जोड़ा जाएगा:
   "नोट: जो उपभोक्ता दोहरी–स्रोत आपूर्ति का लाभ उठाता है, चाहे वह एकसाथ उपयोग करे या स्टैंडबाय उपयोग करें, उसे संबंधित टैरिफ श्रेणी के लागू स्थाई शुल्क का दोगुना शुल्क लिया जाएगा।"

राज.संवाद/सी/25/15323 जेपीआर 3095 (2025) अधीक्षण अभियंता (रेगुलेशन)

**माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की फिर मिली धमकी

इससे पूर्व गत 31 अक्टूबर को भी यहां बम ब्लास्ट की धमकी का ई-मेल मिल चुका है, हालांकि राहत की बात है कि तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को एक बार फिर धमकी मिली है। बीते चार दिन में यह दूसरा मौका है, जब हाईकोर्ट में बम धमाका करने की धमकी दी गई है। इससे पूर्व गत 31 अक्टूबर को भी यहां बम ब्लास्ट की धमकी का मेल मिल चुका है, हालांकि राहत की बात है कि तलाशी में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार को भेजे गए इस मेल में हाईकोर्ट परिसर को बम से उडाने की बात कही गई है। ई-मेल की जानकारी मिलने ही उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई और पूरे हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया। वहीं न्यायाधीशों ने भी प्रकरणों की सुनवाई बीच में बंद कर दी।

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की ओर से पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। वहीं हाईकोर्ट परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व पक्षकारों को बाहर निकाला गया। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि बदमाश वीपीएन का इस्तेमाल करते हैं। वीपीएन के कई प्रकार होते हैं। हमारे पास जो टेक्नोलॉजी और मैन पावर है। उसका इस्तेमाल करके आरोपियों को जल्दी ही ट्रेस करने का प्रयास कर रहे हैं। आशा है कि जल्दी ही कुछ कामयाबी मिलेगी।

राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन में मुख्यमंत्री ने सुनीं लोगों की समस्याएं।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने कहा है कि हाईकोर्ट परिसर की सुरक्षा को लेकर मजाक की सी स्थिति बन गई है। बीते डेढ़ माह में हाईकोर्ट को तीन बार बम से उडाने के मेल मिल चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जांच एजेंसियां अभी तक यह तक मालूम नहीं कर पाई हैं कि ई-मेल कहां से आया है। हर बार मेल मिलने के बाद मुकदमों की सुनवाई बीच में बंद कर दी जाती है और कोर्ट

- **बम की धमकी के बाद सोमवार को पूरे हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया, न्यायाधीशों ने भी प्रकरणों की सुनवाई बीच में बंद की, जो कि 2 बजे बाद पुनः शुरू हुई**

परिसर खाली करा लिया जाता है। जिससे एक और भय का माहौल पैदा हो गया है, वहीं मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित होती है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने कहा कि डढ़ माह में ही तीसरी बार हाईकोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलना गंभीर है। ऐसे में हाईकोर्ट प्रशासन व पुलिस प्रशासन को इन दोनों ईमेल की जांच करवानी चाहिए कि ये कहां से आ रहे है।

पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की ओर से कोर्ट परिसर की पूरी तलाशी लेने के बाद क्लीन चिट दी गई। इसके बाद हाईकोर्ट में दोपहर दो बजे बाद से केसों की सुनवाई शुरू हुई। हालांकि सुबह बम की धमकी मिलने के चलते अदालतों में सुनवाई नहीं हुई और हजारों प्रकरण प्रभावित हुए।

मुख्यमंत्री ने सुनीं राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन में लोगों की समस्याएं

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमावर को सचिवालय में दौरा करते हुए अचानक राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन सेंटर 181 पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने दो कॉलर्स नवलगढ़ (झुन्झुनूं) के सुधीर और

- **181 पर आ रही समस्याओं की बढ़ाई जाए मॉनिटरिंग : भजनलाल शर्मा**

कोटपूतली-बहरोड़ के नेमीचंद से बात कर उकी समस्याओं का भी तुरंत समाधान करवाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जब राजस्थान संपर्क 181 पर समस्याएं सुन रहे थे तो एक कॉल पर नवलगढ़ (झुन्झुनू) के सुधीर ने बताया कि उनके घर के पास साव की ढाणी पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में सड़क निर्माण का कार्य हो रहा है। परंतु सड़क के बीच में एक पोल आ रहा है, जिससे आवाजाही में परेशानी हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से उस पोल को हटाने के लिए निवेदन किया। जिस पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबंधित कलक्टर ने पोल हटवाया।

इसी प्रकार एक अन्य

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हैल्पलाइन 181 का औचक निरीक्षण किया और परिवादियों की समस्याएं सुनी।

शिकायतकर्ता नेमीचंद निवासी गोकलपुर गांव, वार्ड नंबर 29 (कोटपूतली-बहरोड़) ने मुख्यमंत्री को फोन पर बताया कि गोकलपुर गांव में वार्ड नंबर 29 में नाले की सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी निकलकर सड़क पर भरा हुआ है। जिससे आवागमन में लोगों को समस्या आ रही है तथा बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। उन्होंने इस नाले की जल्द से जल्द सफाई कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के आदेश पर संबंधित कलक्टर ने नाले की तुरंत सफाई करवाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 181 हैल्पलाइन के माध्यम से आमजन घर बैठे अपनी समस्या दर्ज करवाकर उसका शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। संपर्क पोर्टल पर आ रही समस्याओं की अधिक से अधिक मॉनिटरिंग हो जिससे परिवादी की समस्या का समयबद्ध निस्तारण हो सके तथा उसे राहत मिले। मुख्यमंत्री ने पूरे प्रणाली को समझने एवं उसे और बेहतर बनाने के लिए स्वयं ही शिकायतकर्ताओं का कॉल अटैण्ड किया तथा उनकी समस्याओं का समाधान किया।

आधुनिक और भारतीय शिक्षा के समन्वय का मार्ग प्रशस्त करेगा शिक्षा बोर्ड : डॉ. एन.पी. सिंह

प्रयागराज। एएमए कन्वेंशन सेंटर प्रयागराज में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड की स्थापना का उद्देश्य स्वदेशी शिक्षा पद्धित को पुनर्जीवित करते हुए आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय स्थापित करना है। आज देश को ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो विद्यार्थियों में आत्मगौरव, भारतीयता, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और वैश्विक दृष्टि दोनों का विकास कर सके। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखकर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों के समकक्ष मान्यता प्राप्त है।

डॉ. सिंह ने बताया कि बोर्ड के पाठ्यक्रम में वेद, उपनिषद, गीता, जैन और बौद्ध दर्शन, भारतीय शूरवीरों की कथाएँ, संवैधानिक मूल्य, गुरुकुल परंपरा और आधुनिक विज्ञान-प्रौद्योगिकी को संतुलित रूप से जोड़ा गया है। पाठ्यक्रम

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने प्रयागराज में संगोष्ठी को संबोधित किया।

में भारत के लगभग 120 महान नायकों की जीवनगाथाओं को भी शामिल किया है। यह शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को केवल नौकरी योग्य नहीं बल्कि रोजगार सृजन में सक्षम बनाएगी। बोर्ड का पाठ्यक्रम यूपीएससी, नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप भी विकसित किया गया है। यह बोर्ड के समकक्ष है, यह कक्षा 9 से 12 तक की स्कूलों को मान्यता देती है । कक्षा 1 से 8 तक के मान्यता प्राप्त विद्यालय भारतीय शिक्षा बोर्ड से मान्यता ले सकते हैं।

विशिष्ट अतिथियों में संयुक्त शिक्षा निदेशक राम नारायण विश्वकर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक पी. एन. सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त कुल सचिव मेजर डॉ. हर्ष कुमार उपस्थित रहे। भारत स्वाभिमान के राज्य प्रभारी भगवान सिंह भी कार्यक्रम में सहभागी रहे। कार्यक्रम का संचालन बृज मोहन ने किया।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में अटल ज्ञान केन्द्र खोलेगी भजनलाल सरकार

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना करेगी, ताकि ग्रामीण युवाओं को डिजिटल शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और कॅरियर परामर्श जैसी सुविधाएं मिल सके। यह पहल राज्य सरकार के पिछले 2 वर्षों के समर्पित प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें विकास, शिक्षा और युवा सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है।

ज्ञात रहे कि अटल ज्ञान केन्द्रों में ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर और इंटरनेट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़ी पुस्तकें, कॅरियर परामर्श और क्षमता निर्माण

- **प्रथम चरण में 3000 से अधिक आबादी वाली 1274 पंचायतें चिन्हित**
- **इन जगहों पर ई-लाइब्रेरी, कंप्यूटर और इंटरनेट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कॅरियर परामर्श और क्षमता निर्माण कार्यक्रम होंगे**

कार्यक्रमों की सुविधा होगी। पहले चरण में 3000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत मुख्यालयों को प्राथमिकता दी गई है। अब तक 1274 केंद्रों को चिन्हित कर इनके लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इस चरण के बाद प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों को कवर किया जाएगा।

पिछले दो वर्षों में भजनलाल सरकार ने युवा प्रोत्साहन, ग्रामीण विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं। अटल ज्ञान केंद्रों की स्थापना इसी दिशा में एक और मील का पत्थर है, जो ग्रामीण युवाओं को शहरों के समकक्ष अवसर प्रदान करेगा। इन केंद्रों से न केवल शिक्षा का प्रसार होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। अटल ज्ञान केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए भारत सरकार का सहयोग प्राप्त हुआ है। पुनर्गठित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के अंतर्गत राजस्थान के लिए 1047 पंचायत लर्निंग सेंटर (पीएलसी) की स्वीकृति प्रदान की गई है। करीब 232 करोड़ रुपए से अधिक की यह सहायता केंद्रों के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना, डिजिटल सुविधाएं और प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाएगी। इस सहायता से केंद्रों में उन्नत कंप्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे।

'नई श्रम संहिताएं श्रमिक कल्याण हितैषी'

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नई श्रम संहिताएं श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव हैं। इनके माध्यम से मजदूर और कारोबार के हितों की सुरक्षा होगी और देश-प्रदेश के अनुकूल औद्योगिक वातावरण में वृद्धि होगी। उन्होंने केन्द्र सरकार की मंशानुसार नई श्रम संहिताओं के प्रदेश में समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के संबंध में निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नवीन श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिताओं के अनुसार सभी श्रमिकों को नियुक्ति पत्र जारी करने की अनिवार्यता की गई है।

निवेशकों की मांग पर एन.सी.आर. में औद्योगिक भूमि उपलब्ध कराएगा रीको

उद्योगों की स्थापना के लिए बीडा 209 हैक्टेयर भूमि रीको को आवंटित करेगा

जयपुर (कासं)। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024" के उपरांत विभिन्न उद्यमियों और औद्योगिक ग्रुप्स ने एनसीआर क्षेत्र में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की मंशा जाहिर थी। उनकी इस मांग को देखते हुए राज्य सरकार ने अविलंब भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके उपरांत बीडा द्वारा लगभग 209 हैक्टेयर भूमि रीको को उपलब्ध कराई जायेगी। इस भूमि आवंटन से एक ओर औद्योगिक प्रतिष्ठानों को शीघ्रता से भूमि उपलब्ध करायी जा सकेगी, दूसरी ओर बीडा को लगभग 110 करोड़ रूपये के राजस्व की प्राप्ति भी होगी, जिसका उपयोग बीडा द्वारा क्षेत्र के विकास एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकेगा। राज्य सरकार के इस कदम से राज्य में औद्योगिक माहौल विकसित करने

- **रीको द्वारा जयपुर के जगतपुरा स्थित अपैरल पार्क में भी किया जाएगा औद्योगिक विकास**

और 350 करोड़ बिलियन की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में आसानी होगी।

औद्योगिक विकास को गति देने और निवेशकों का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से रीको और जयपुर विकास प्राधिकरण ने अपैरल पार्क, जगतपुरा से संबंधित लंबे समय से चल रही भूमि समस्या का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया है। रीको द्वारा मुख्य महल रोड पर अपैरल पार्क की स्थापना वर्ष 2014 में लगभग 122 एकड़ पर की गई थी, जिसमें टैक्सटाइल एवं अपैरल उत्पादों के लिये ही औद्योगिक भूमि का आवंटन किया गया था। खातेदारों द्वारा लंबे समय से उन्हें 25 प्रतिशत विकसित भूमि दिए जाने की मांग की जा रही थी। जेडीए के पास खातेदारों की मांग अनुसार विकसित भूमि दिए जाने हेतु पर्याप्त भूमि की अनुपलब्धता देखते हुए रीको से अतिरिक्त भूमि की मांग की गई थी।

रीको ने एक एमओयू जेडीए के साथ निष्पादित कर मुख्य 160 फीट रोड पर 4.57 हैक्टेयर भूमि खातेदारों से विवाद का समाधान करने के उद्देश्य से जेडीए को हस्तांतरित करने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है। जेडीए इस भूमि का उपयोग खातेदारों को दी जाने वाली विकसित वाणिज्यिक भूमि के रूप में कर सकेगा, जिसके लिये जेडीए ने आवश्यक कार्यवाही भी प्रारंभ कर दी है। इस कदम से ना सिर्फ विभिन्न गतिविधियों के लिये भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी बल्कि जयपुर के प्रमुख महल रोड पर अन्य आर्थिक गतिविधियों जैसे सेवा क्षेत्र इत्यादि के लिये भी भूमि उपलब्ध हो सकेगी। गारमेंट एवं अपैरल सेक्टर में मुख्य नियोजन महिलाओं का होता है, इसलिये यहां महिलाओं के लिये भी रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे और ग्लोबल कैपेबिलिटी क्षेत्र, को-वर्किंग सेंटर, वाणिज्यिक परिसर, होटल आदि के निर्माण से पढ़े लिखे युवाओं को भी आने वाले समय में उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के नए अवसर विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हो सकेंगे। इस कदम से उन काश्तकारों ने भी राहत की सांस ली है जो लंबे समय से अपनी भूमि के एवज में विकसित भूमि की मांग कर रहे थे।

शिक्षण संस्थानों के आसपास नशा तस्करों के 35 ठिकानों पर दबिश

जयपुर । एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और आतंकवाद निरोधक दस्ता राजस्थान जयपुर (एटीएस) टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए शिक्षण संस्थानों (कोचिंग-कॉलेज) के पास स्टूडेंट्स को नशे की लत में धकेलने वालों के पैतीस से अधिक ठिकानों पर दबिश देकर बाईस मामले दर्ज कर बाईस आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से 1 लाख 93 हजार 610 रुपए भी बरामद किए हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया कि काफी समय से जयपुर शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों का अवैध व्यापार की शिकायते मिल रही थी, जिससे विद्यार्थी नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य खराब कर रहे हैं। इस सूचना पर महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार के निर्देशन में एटीएस-एएनटीएफ की पैतीस टीमें गठित कर जानकारी जुटाना शुरू किया। पुलिस महानिरीक्षक एटीएस-एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि मादक पदार्थ तस्कर शिक्षण संस्थानों के पास विद्यार्थियों को मादक पदार्थ देकर नशे की आदत डाल रहे थे। यह एक गंभीर और अनैतिक कार्य है। जो विद्यार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। इसकी रोकथाम के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई। जहां गठित टीम के पुलिसकर्मियों को संबंधित शिक्षण संस्थानों की वर्दी पहना कर भेजा गया।

लेपर्ड के मूवमेंट के कारण एजी कॉलोनी में दिनभर रही दहशत

वन विभाग की टीम ने बजाज नगर क्षेत्र में सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु लेपर्ड हाथ नहीं लगा

जयपुर । राजधानी जयपुर के बजाज नगर स्थित एजी कॉलोनी में रविवार की देर शाम को लेपर्ड का मूवमेंट होता देख स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। इसके बाद लोगों ने वन विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सोमवार को सर्च ऑपरेशन चलाया, परंतु टीम

- **वन्य अधिकारियों का मानना है कि भोजन-पानी की तलाश में लेपर्ड आबादी क्षेत्र में पहुंचा होगा**

को कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई। रैंज ऑफिसर जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि सोशल मीडिया से यह विडियो मिलने पर वन विभाग टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि अभी तक लेपर्ड नहीं मिला है।

जानकारी के अनुसार लाल बहादुर कॉलोनी में रविवार को बजाज नगर एन्क्लेव, सरस्वती कॉलोनी और अनिता कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज में लेपर्ड घूमता हुआ दिखाई दिया। जहां लेपर्ड कभी घरों में घुसा,कभी गलियों से निकला। फुटेज वायरल होते ही कॉलोनियों में दहशत फैल गई। लोग सतर्क हो गए और वेलफेयर सोसायटी ने चेतावनी जारी कर दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। लेकिन लेपर्ड हाथ नहीं आया। रेंज ऑफिसर

जितेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि यह एक वर्ष से भी कम उम्र का शावक है और अब मॉनिटरिंग टीमें लगातार निगरानी कर रही है। आशंका है कि शावक स्टेशन के पास नाले से होते हुए वापस जंगल की ओर चला गया। उसके जेएलएन रोड पार कर शिक्षा संकुल की ओर से आने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि लंबे समय से एमएनआईटी में भी लेपर्ड की मूवमेंट है।

अनिता कॉलोनी निवासी अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि सुबह करीब 5 बजे बजाज नगर एन्क्लेव कॉलोनी में मॉर्निंग वॉक कर रही एक महिला को लेपर्ड का एक शावक दिखा। उसे देखते ही महिला ने शोर मचाया। जिस पर शावक वहां से भाग गया। इसकी जानकारी आसपास की कॉलोनियों में तेजी से फैल गई। कुछ देर बाद यह शावक सरस्वती कॉलोनी से होता हुआ अनिता कॉलोनी पहुंचा। यहां दो घरों में घुसा, जिसका मूवमेंट सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन केसी अरुण प्रसाद की ओर से गठित क्विक रिस्पॉन्स टीम और रेंजर जितेंद्र सिंह शेखावत की टीम मौके पर लगातार निगरानी कर रही है। टीम आधुनिक तकनीक, ट्रैकर्स और स्थानीय इनपुट की मदद से लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक कर रही है। जानकारी के अनुसार यह पूरा जोन झालाना लेपर्ड सफारी की परिधि से जुड़ा हुआ है। जहां पर करीब 40 से अधिक लेपर्ड रहवास करते हैं। जहां से भोजन और पानी की तलाश में लेपर्ड आवासीय क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर के कई हिस्सों में लेपर्ड की मूवमेंट की घटनाएं बढ़ने से वन विभाग भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। गौरतलब है कि राजधानी जयपुर में पिछले एक महीने में शहर में कई बार लेपर्ड के रिहायशी इलाकों में आने की घटना हो रही है। इस दौरान लेपर्ड सिविल लाइंस, गुर्जर की घाटी, विद्याधर नगर, शास्त्री नगर, चांदपोल, मोती डूंगरी इलाकों में देखे गए हैं।

राजीविका ग्रामीण उद्यिमता का सशक्त मॉडल : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का सोमवार को अवलोकन किया।

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को सांगानेर के ठीकरिया स्थित राजीविका विकास क्लस्टर लेवल फैडरेशन पहुंचे । जहां उन्होंने ब्लू पॉटरी एवं बगरू प्रिंट से जुड़ी लखपति दीदियों से संवाद कर उनकी आजीविका गतिविधियों के अनुभव जाने।

मुख्य सचिव ने आश्वस्त किया कि राजस्थान की स्वयं सहायता समूहों की इन प्रेरणादायक कहानियों को प्रधानमंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य सचिव ने महिलाओं द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की विशेष प्रशंसा भी की। साथ ही सेनेटरी नैपकिन यूनिट का अवलोकन किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि ग्रामीण महिलाएँ अपने कौशल एवं परिश्रम से पूर्णतः स्वतंत्र एवं आत्मविश्वासी बन रही हैं। राजीविका प्लेटफॉर्म ने महिलाओं में उद्यिमता को मजबूत आधार प्रदान किया है। राजीविका की महिलाए अपने उत्पाद सीधे ही बड़ी कंपनियों को बेच सकेगी उन्होंने आश्वासन दिया 'बायर सेलर मीट' को और व्यापक स्तर पर बढ़ाया जाएगा ।

सांगानेर में पहला राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार "आपणो अग्रणी राजस्थान" के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विधि के क्षेत्र में भविष्य बनाने की चाहत रखने वाले युवाओं को राज्य सरकार ने एक नवीन सौगात दी है। सांगानेर क्षेत्र में जयपुर जिले का प्रथम राजकीय विधि महाविद्यालय प्रारंभ किया गया है।

इस महाविद्यालय में तीन वर्षीय एल.एल.बी. पाठ्यक्रम का संचालन किया जाएगा, जिसकी 120 सीटों पर प्रवेश के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति प्राप्त हो चुकी है तथा प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है। राज्य सरकार द्वारा विधि महाविद्यालय के भवन हेतु 4.50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है तथा शीघ्र ही भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर निर्माण कार्य के लिए टेण्डर जारी कर दिये जायेंगे। स्थाई भवन निर्मित होने तक अस्थाई तौर पर महाविद्यालय का संचालन शहीद पुनीत नाथ दत्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में किया जा रहा है।

- **विधि महाविद्यालय के भवन के लिए 4.50 करोड़ रुपये स्वीकृत किए**

विधि महाविद्यालय के लिए राज्य सरकार ने 19 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। इनमें सहायक आचार्य के सात, कनिष्ठ सहायक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के दो-दो तथा प्राचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षक, सहायक लेखाधिकारी प्रथम, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सूचना सहायक, वरिष्ठ सहायक एवं बुक लिफ्टर के एक-एक पद शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार और युवाओं को प्रतिस्पर्धी युग के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्थापित नवीन विधि महाविद्यालय युवाओं के लिए एक सशक्त मंच साबित होगा। इससे युवा कानूनी शिक्षा ग्रहण कर न्याय और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे सकेंगे।

क्रीड़ा भारती बालकों के विकास के लिए कृत संकल्पित : सुथार

जालोर, (कासं)। क्रीड़ा भारती की ओर से जोधपुर प्रांत स्तरीय खेल कबड्डी खेल प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह सोमवार को भगत सिंह क्रीडा स्थल जालोर में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह खेमाराम सुथार ने कहा कि कब्बड्डी खेल प्रत्येक भारतीय के मन में रचा बसा है। इसलिए खेल के माध्यम से बालकों का शारीरिक भौतिक एवं चरित्र विकास के लिए क्रीडा भारती प्रयास कर रहा है । उन्होंने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पांच परिवर्तन सहित भगवान बिरसा मुंडा गुरु तेग बहादुर एवं राष्ट्रगान के 150 वर्ष पूर्ण होने के संबंध में विस्तार से उद्बोधन दिया। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग में अपने उदबोधन में कब्बड्डी खेल की महत्वता के बारे में बताया कि जिले में खेल प्रतिभा गांव की कोई कमी नहीं है उन प्रतिभाओं को तरस कर आगे लाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्प है तथा संसाधनों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी ।

उन्होंने भगत सिंह क्रीड़ा स्थल में 80 लाख की लागत से हाल बनाकर कीडा भारती को दिए जाने की घोषणा भी की। क्रीडा भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ओलंपिक खिलाडी तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गोपाल सैनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल बालक के सर्वांगीण विकास का आधार है। इसलिए भारत के इस कब्बड्डी खेल को ओलंपिक में शिरकत किए जाने के उद्देश्य से देशभर में इस प्रकार की प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है ।

जालोर में जोधपुर प्रांत स्तरीय खेल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर प्रदीप के गावंडे प्रांत उपाध्यक्ष प्रवीण मेड कीडा भारती के कार्य अध्यक्ष नाथु सोलंकी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान खिलाडियों ने सचिन खेल निष्ठा से खेलने की शपथ ली वहीं तलवारबाजी एवं राजस्थानी लोक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। प्रांत संयोजक आगरा राम चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता में 79 बालक टीम तथा 36 बालिका वर्ग की टीम तीन अलग-अलग आयु वर्ग में भाग ले रही है। कीडा भारती के प्रांत मंत्री ओमप्रकाश पुरोहित ने खेल खिलाडी खेल गायन के माध्यम से खेल की महत्वता बताइ द्य अतिथियों ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का विधिवत आगाज किया। क्रीडा भारती के जिला मंत्री भागीरथ गर्ग ने बताया कि जिला संयोजक ओमप्रकाश गर्ग के नेतृत्व में तीन दिवसों तक कब्बड्डी प्रतियोगिता भगत सिंह क्रीडा स्थल में आयोजित होगी। कार्यक्रम का संचालन मांगीलाल गुर्जर ने किया। उद्घाटन समारोह के पश्चात अतिथियों ने कब्बड्डी मैच का टॉस करवा के शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विभाग प्रचारक संजीव कुमार विभाग कार्यवाहक जगदीश सोनी नीरज कोट्सिव नगर कार्यवाह ठाकराराम वरुण धनाढ्य कमल तिवारी विनोद कुमार जबरसिंह देवडा नरेंद्र परमार ओमप्रकाश परमार मंगलसिंह मुनिराज सिंह मिश्रीमल सुथार शैलेश लोदी अंबिका प्रसाद तिवारी सुनीता गुर्जर राहुल परमार मुनसिंह राठौड विकास जावा अविनाश परमार नरेश मालवीय सज्जनकुमार दलपतसिंह आर्य शिवदत्त आर्य पुष्पेंद्र परमार कन्हैयालाल मिश्रा भंवरलाल सुथार मूलाराम भावेश कुमार गोपीलाल गर्ग परमानंद भट्ट रेखा सैन हिम्मतसिंह सहित खेल प्रेमी मौजूद थे।

सम्मानित किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। पटरियों पर ब्लास्ट मटेरियल और गिट्टी का ढेर देखकर लोको पायलट महेंद्रराम देवड़ा ने समय रहते ट्रेन रोक दी, जिससे जैसलमेर सेक्शन में बड़ा हादसा टल गया। इस के लिए जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इसके साथ ही 3 अन्य रेल कर्मचारियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के चलते सम्मानित किया गया। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेशकुमार सहित बड़ी संख्या में शाखाधिकारी मौजूद रहे।

डीआरएम कार्यालय सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में देवड़ा को सम्मानित करते हुए डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि तकनीक जितनी भी उन्नत क्यों न हो, मानव सतर्कता हमेशा रेल सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी रहेगी। महेंद्र देवड़ा ने इसे सिद्ध किया है।" उन्होंने मंडल के सभी रेलकर्मियों से जिम्मेदारी और सजगता के साथ अपने दायित्व निभाने की अपील भी की।

घटना 28 अक्टूबर की है। देवड़ा ट्रेन को लेकर जैसलमेर सेक्शन से गुजर रहे थे कि तभी उन्होंने पटरियों पर ब्लास्ट मटेरियल व गिट्टी का असामान्य ढेर देखा। क्षणभर की चूक भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती थी, लेकिन देवड़ा ने तुरंत लोको नियंत्रित कर ट्रेन को रोक दिया और उच्च अधिकारियों को सूचना दी। उनकी सूझबूझ और त्वरित निर्णय क्षमता ने सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में पड़ने से बचा ली।

रेलवे प्रशासन ने कहा कि ऐसे कर्मियों का सम्मान न केवल उन्हें प्रोत्साहित करता है, बल्कि पूरे मंडल में सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ करता है।

रोटरी क्लब ने खानपुर स्कूल में शैक्षणिक कार्यक्रम किया

जालोर के पास राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय खानपुर में रोटरी क्लब की ओर से शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। रोटरी क्लब जालोर के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, खानपुर में सोमवार को एक सराहनीय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भामाशाह रमेश जैन की ओर से विद्यालय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। जिसमें पेन, कॉपी सहित अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री सम्मिलित थी। इस पहल से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। रोटरी क्लब जालोर की अध्यक्ष विनीता ओझा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढाते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं लक्ष्य निर्धारण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मोहन परमार कानाराम जी परमार एवं डॉक्टर पवन ओझा ने विद्यार्थियों को प्रेरक उदबोधन देते हुए जीवन में शिक्षा की भूमिका को विस्तार से समझाया। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को आगे बढने एवं समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर रोटरी क्लब की सचिव मंजू चौधरी ने सभी अतिथियों, भामाशाह, सहयोगकर्ताओं एवं विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नंद किशोर जैथलिया, नारायण लाल भट्ट, दीपक सुथार, नूर मोहम्मद, दिनेश सुन्देशा, शीला चौधरी, मेनका गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पीईईओ विजय भंडारी एवं संस्था प्रधान मोहन ने भी इस सामाजिक एवं शैक्षणिक पहल की सराहना की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

'सरकार के दो साल पूरे होने के कार्यक्रमों की तैयारी करें'

जालोर के कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक बैठक जिला कलैक्टर डॉ.प्रदीप के .गावंडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य ज़िले में 10 दिसंबर से 25 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, इसी क्रम में विभिन्न विभागों के तत्वाधान में सड़क सुरक्षा अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, जिला स्तरीय प्रदर्शनी, ग्रामीण एवं शहरी सेवा फॉलोअप शिविर, महिला सम्मेलन, किसान सम्मेलन तथा राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बजट घोषणा वर्ष 2025-26 एवं बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की क्रियान्वयन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करें। उन्होंने बजट घोषणाओं के तहत सरनाऊ में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना, केशवना-जालोर में घुमंतु-अर्द्धघुमंतु समुदाय के बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण, सांचौर में एग्रो फूड पार्क, जिला मुख्यालय पर बालिका गृह निर्माण, 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों पर अटल ज्ञान केंद्र के संबंध में बिंदुवार चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजोरा, सीएमएचओ डॉ. भेराराम जाणी, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, वन विभाग के एसीएफ भंवर सिंह सोढा, डीओआईटी के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

उमाकान्त महाराज ने प्रवचन दिए

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट आहोर मैन रोड स्थित बिछावडी में बाबा जयगुरुदेव आश्रम में सोमवार को भक्तो को प्रवचन देते हुए सन्त बाबा उमाकान्त महाराज ने बताया कि दो तरह का नाम होता है। एक तो वक्त का जगाया हुआ नाम होता है और एक ध्वन्यात्मक नाम होता है।

उन्होंने कहा कि ध्वन्यात्मक तो जबसे यह सृष्टि बनी तब से वही चल रहा है, जो नामदान के समय दिया जाता है और जगाया हुआ नाम कौन सा होता है? कबीर साहब ने संत साहेब नाम को, नानक साहब ने वाहेगुरु नाम को जगाया था। उसके बाद में राधा स्वामी नाम आया। फिर गुरु महाराज जब आए। तब उन्होंने जयगुरुदेव नाम को जगाया। तो जब जो नाम को जगाते हैं या जो उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी होते हैं, उनकी शक्ति उसमें आ जाती है। महापुरुषों द्वारा जगाया हुआ नाम जब बदनाम होने लगता है, नाम का नाजायज फायदा लोग उठाने लगते हैं तब महापुरुष नाम को बदल देते हैं। कहा गया। उन्होने बताया कि इस समय जयगुरुदेव नाम की महिमा है, इसीलिए जयगुरुदेव नाम को बोलते रहना। मुसीबत में जब कोई सहायक ना हो, तब जयगुरुदेव नाम बोलना। कोई ना कोई बचत का उपाय निकल आएगा, कोई ना कोई बचाने वाला आ जाएगा। बहुत लोगों ने परीक्षा ले कर के देखा है। आप कोई भी हो जिसने परीक्षा नहीं ली है तो आप एक बार इसकी परीक्षा ले कर के देख लेना। चक्रवात में हवा घूमने लगती है और उसके बीच में जो पड जाता है, हवा उसको ऊपर उडा देती है। तो कभी ऐसे चक्रवात में भी अगर फंस जाओ तो जयगुरुदेव नाम का उच्चारण करना, नाम ध्वनि बोलना, तो चक्रवात आते-आते बगल से निकल जाएगा।

मंत्रालयिक कार्मिकों ने जीत के लिए लगाया दम

पाली के राजेंद्र नगर भालेलाव रोड स्थित वंदे मातरम एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालय कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आगाज हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। राजेंद्र नगर भालेलाव रोड स्थित वंदे मातरम एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय 52 वीं जिला स्तरीय शिक्षा विभागीय मंत्रालय कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समारोह पूर्वक आगाज हुआ जिसमे जिले भर के मत्रालयिक कार्मिकों ने जीत के लिए दमखम लगाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उपजिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक (माध्यमिक) बलवीर सिंह राणावत ने बताया कि प्रतियोगिता का आगाज मॉ सरस्वती की तस्वीर के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन के साथ हुआ । तत्पश्चात जिले भर से आए कार्मिको का पंजीयन कर खेल का नाम एवं टीम का निर्माण किया गया।

शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष मुकेश बोहरा ने बताया कि प्रतियोगिता मे बास्केटबाल, वालीबाल, टेबल टेनिस, केरम, शतरंज, बैडमिंटन, कबडी, फुटबॉल टेनिस क्रिकेट,रस्सा कस्सी, लंगोरी, खो-खो, लम्बी कूद,त्रिकूद, तश्तरी फेक, भाला फेक, गोला फेक, सुगम संगीत,एकाभिनय, एकल नृत्य, विचित्र वेशभूषा, हारमोनियम वादन, तबला वादन, ढोलक वादन, झांझ वादन, समेत विभिन्न प्रकार की दौडो का आयोजन हुआ। जिसमें खिलाडियों ने जीत के लिए दमखम लगाया।

शिक्षा विभागीय मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार ने बताया कि मंगलवार को आगामी दिनों में राजकीय सेवा से अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवा निवृत होने वाले मंत्रालयिक एवं सहायक कर्मचारियों का श्रीफल शॉल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान के साथ ही दो दिवसीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसके मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा मंडल पाली रिछपाल सिंह,जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (माध्यमिक) राहुल राजपुरोहित, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जे.डी.कार्यालय डा.भूपेन्द्र सोढा आदि मौजूद रहेंगे।

इस मौके पर राजेश माथुर, दिनेश गिरी, विनोद शर्मा,राहुल परमार, अजयपाल सिंह चंपावत,गिरवर सिंह राव, हेमंत ओझा, जितेन्द्र गोस्वामी, दिनेश कुमार कंसारा,नवीन कुमार जैन, हुक्मीचंद सैन, सुल्तान खान, रतन सिंह, रक्षित शर्मा, कुलदीप जोशी, महेन्द्र वैष्णव, कुलदीप सज्जाद जहीर खान, सरवर खान, बाबुलाल खोरवाल, कैलाश जोशी, मंगल सिंह राजपुरोहित, गणपत सोडावास, दुर्गालाल गहलोत, कमलेश पंवार, विजय चौधरी, नीरजा शर्मा,पूजा चारण, सुनिता कुमावत, अनिता सिसोदिया आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल अवार्ड परीक्षा शिविर 10 से 13 तक पाली में

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर जांच शिविर का आयोजन 10 दिसंबर से 13 दिसंबर 2025 तक जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में आयोजित किया जाएगा।

सी.ओ. स्काउट गोविंद मीणा ने बताया की राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार पूर्व में राज्य पुरस्कार जांच शिविर का आयोजन 04 से 11 नवंबर 2025 तक की अवधि में किया जा चुका है, राज्य मुख्यालय द्वारा उक्त शिविर में सम्मिलित ना हो पाने वाले स्काउट गाइड रोवर रेंजर को एक मौका और देते हुए सत्र के इस अंतिम परीक्षा शिविर में सहभागिता का अवसर प्रदान किया जा रहा है ।

सी ओ गाइड डिंपल दवे ने बताया कि राज्य पुरस्कार स्काउट व गाइड जांच शिविर में पाली जिले के 200 से अधिक संभागी जो पूर्व में आवेदन करके पंजीकृत हो चुके हैं वही स्काउट गाइड भाग लेंगे, इसके अलावा मंडल स्तरीय राज्य पुरस्कार रोवर रेंजर जांच शिविर में जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, सिरोही और पाली जिले के रोवर रेंजर राज्य पुरस्कार परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

इस सत्र का यह अंतिम शिविर होने के कारण पूर्व शिविर में सहभागिता से शेष रहे रोवर रेंजर को इसी शिविर में शामिल होना है। जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी पाली में दिनांक 10 से 14 दिसंबर तक निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर एवं अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। निपुण रोवर रेंजर एवं राज्य पुरस्कार रोवर रेंजर शिविर में भाग लेने वाले संभागीयों में से 9 से 13 जनवरी तक छत्तीसगढ़ में होने वाली प्रथम रोवर रेंजर जंबूरी में सहभागिता हेतु रोवर रेंजर का चयन कर तैयारी को अंतिम रूप भी दिया जाएगा।

मालिनी अग्रवाल ने सुनी जवानों की समस्याएं

जैसलमेर, (नि.सं.)। डीजी होमगार्ड मालिनी अग्रवाल ने सोमवार को सीमांत जिले जैसलमेर का एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक दौरा किया। उनके आगमन पर सीमा गृह रक्षा दल परेड ग्राउंड में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कमांडेंट दौलतसिंह ने बुके भेंट कर अभिनंदन किया। परिसर में पदस्थापित सभी अधिकारियों से परिचय करवाया।

डीजी अठावाल ने अपने दौरे की शुरुआत संपूर्ण सीमा गृह रक्षा दल के कैंपस के सघन निरीक्षण के साथ की। उन्होंने परिसर में स्थित मां जगदंबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश और देश में शांति और अमन-चैन की कामना की। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवकों से सीधी बात की और जवानों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन भी दिया।

निरीक्षण के बाद डीजी अग्रवाल परेड ग्राउंड पहुंचीं। उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित होमगार्ड स्वयंसेवकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्वयंसेवकों की मैस सुविधा, ट्रेनिंग व्यवस्था और ड्यूटी डिप्लॉयमेंट संबंधी विस्तृत जानकारी ली।

जवानों की व्यक्तिगत और सामूहिक समस्याओं को सुना और उचित समाधान का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान कंपनी कमांडर हमीरसिंह, कंपनी कमांडर शिवसिंह, और प्लाटून कमांडर लखसिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय भवन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को दक्षता बढ़ाने तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कबीर नगर में सफाई बिगड़ी, लोगों ने विरोध जताया

जोधपुर, (कासं)। वार्ड नंबर 27 स्थित कबीर नगर में पिछले करीब दस दिनों से लोग सफाई के अभाव से परेशान हैं। इसको लेकर क्षेत्रवासियों ने विरोध जताया है।

क्षेत्रवासी नगर निगम के वार्ड प्रभारी संजीव कुमार से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन का समाधान नहीं हुआ। लोग कहते हैं कि वार्ड प्रभारी कभी भी वार्ड में उपस्थित नहीं होते और जब नगर निगम कार्यालय में फोन किया जाता है, तो वह केवल आश्वासन देते हैं, इसके बाद उनके फोन भी नहीं उठाए जाते। उन्होंने 181 हेल्पलाइन पर भी शिकायत की थी, लेकिन वहां से भी यह जवाब मिला कि सफाई करवा दी गई है, जबकि मौके पर सफाई का कोई काम नजर नहीं आ रहा। इस लापरवाही को लेकर वार्ड के लोग बेहद नाराज हैं और समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लोगों ने मांग की है कि यदि नगर निगम और वार्ड प्रभारी इस स्थिति को सुधारने में विफल रहते हैं, तो वे और कड़ा कदम उठाएंगे।

मतदाता के लिए कार्यक्रम हुआ

जैसलमेर, (नि.सं.)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) -2026 अभियान के तहत महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जैसलमेर में जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर), मुख्य कार्यकारी अधिकारी (स्वीप प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी) एवं जिला स्वीप प्रकोष्ठ समन्वयक के निर्देशन में व्यापक एवं तकनीकी रूप से उन्नत मतदाता जागरूकता एवं डिजिटल सक्षमता गतिविधि आयोजित की गई।

इस अवसर पर स्वीप प्रकोष्ठ के गोविन्द गर्ग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, उसके उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में सही पंजीकरण, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं त्रुटियों के संशोधन से जुड़ी प्रक्रियाओं पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत बनाने वाला महत्वपूर्ण अभियान है, जो प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में शामिल होने का अवसर सुनिश्चित करता है। प्रधानाचार्य रामा राम सहित समस्त विद्यालय स्टाफ ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई और इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रधानाचार्य रामा राम ने की। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है।

लेखनी की मासिक काव्य गोष्ठी में रचनाकारों ने सुनाई मन की बात

जोधपुर, (कासं)। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था लेखनी की काव्य गोष्ठी रविवार को नेहरू पार्क स्थित डॉ. मदन-सावित्री डागा साहित्य भवन में आयोजित की गई।

लेखनी के अध्यक्ष प्रमोद वैष्णव ने बताया कि समय की पाबन्दी के साथ हिन्दी, उर्दू और राजस्थानी के रचनाकारों के साथ नियमित सुनने सुनाने का अवसर प्रदान करने वाली संस्था की मासिक गोष्ठी का प्रारम्भ बंगलुरू से आयी कवयित्री पूजा प्रजापति की शोर्य मण्डित रचना 'तुम आन की बात क्या जानो, तुम जान की क़ीमत क्या जानो, इन कंगन पहने हाथों की, तुम शान की क़ीमत क्या जानो...,' सुनाकर पुख़्तगी के साथ गोष्ठी का प्रारम्भ किया, युवा कवयित्री सुरभि खींची ने 'मैं चुप रहूँ, ख़ामोश हूँ, पर मतलबी नहीं हूँ...' सुनाई। इसी श्रृंखला में चंचल चौधरी ने 'ईश्वर पड़ौसी हो गया...' रिंकल जैन ने 'यूँ ही नहीं मिला मंच का तजरबा मुझे..., दीपिका रूहानी ने 'दर्द इतना दे मुझे, कि दर्द की इन्तेहा हो जाए....' और किशन वर्मा ने इन्साफ़ ज़िन्दगी का मुझे अजीब सा लगा, क्यूँ ये बदल गया सोचता रहा मैं खड़ा.....' सुनाई। वहीं निमिषा व्यास ने औरत की व्यथा को अपनी रचना में ढाला तो राजेश भार्गव ने मार्मिक कविता 'मैंने हर रोज़ ज़माने को रंग बदलते देखा..., निधि व्यास ने स्त्री विमर्श आधारित रचना 'पहला पुरूष कौन था जिसने पहली बार स्त्री को अपमानित किया.....,' व्यथा और निष्कर्ष सुनाई। गुज़रते साल के मौक़े पर लता सिंह ने 'विदा लेता नवम्बर कानों में धीरे से कह गया, पलटकर मत देख उसे जो पीछे रह गया..., के साथ आगे बढने की प्रेरणा दी।

उर्दू भाषा के रचनाकार अब्दुर्रहीम सांखला ने नवरचित नज़्म 'कर बैठे अना की ज़िद में ख़ुद का ख़सारा कर बैठे..., शाइर ओम प्रकाश गोयल ने तरन्नुम में 'देकर मुझको धोका तूने अच्छा नहीं किया है...' गीत सुनाकर अपनी रचना की परिपक्वता ज़ाहिर की। ग़ज़लकार रज़ा मोहम्मद ख़ान ने 'दुआएं साथ हैं मिरे दवा मिले ना मिले, ख़ुदा की राह में तो हूँ ख़ुदा मिले ना मिले..., सुनाई वहीं अशफ़ाक़ फ़ौजदार ने 'उसके लहजे की शाइस्तगी का मज़ा हमसे पूछिये....' रचना सुनाकर दाद पायी। मोहनदास वैष्णव 'रूक्मेय' ने 'निःस्वार्थ प्रेम अब नहीं रहा, घिर गया वो अब मतलब की दीवारों में..., सुनाकर दाद पायी वहीं रंग निर्देशक और कवि रमेश भाटी नामदेव ने दोहे के अन्तर्गत 'कुछ शुभ होता देखकर, अपने भये उदास.., जो कुछ मुझको मिल रहा, क्यूँ ना उसके पास...,' सुनाकर सृजन का एक नया आयाम प्रस्तुत किया।

इस बीच राजस्थानी गीतकार दिलीप राव दलपत ने महाभारतकालीन प्रसंग के अन्तर्गत रूक्मणी के विवाह आधारित गीत 'पाती लिख दी प्रीत की व्याख्या करी विस्तार सूं.....' तरन्नुम में सुनाकर समा बांधा, वाजिद हसन क़ाज़ी ने ' अठी बठी मत झांक बावळा, पैली खुद नैं आंक बावळा, पोत उघाड़णा सरळ है भाया, घर री बातां ढांक बावळा..., सुनाकर राजस्थानी भाषा की मिठास घोली तब कल्याण के. विश्नोई ने 'मैंने नहीं सहेजा ख़त तुम्हारा, मेरे लिये वो पाती अधिक मुखर है जो मैंने तुम्हारी आंखों में पढ़ी.....' सुनाकर उर्दू की तरफ़ रूख़ मोड़ा वहीं रतन सिंह चम्पावत ने 'दिल के तन्हा कौने में कुछ तो ख़्वाहिशे बर्बाद रख, ज़िन्दगी का सच इसी में ख़ुद को ज़िन्दाबाद रख...,' ग़ज़ल सुनाई । अकमल नईम सिद्दीक़ी ने 'अकेला हूं मगर तन्हा नहीं हूँ, मैं अपने आप से बिछड़ा नहीं हूँ..., के साथ ग़ज़ल की ख़ूबसूरती उकेरी।

अन्तिम श्रृंखला में डॉ. मनीषा डागा ने अपनी अत्यन्त लोकप्रिय रचना बोनसाई को यूँ पिरोया 'कोई, क्या, समझे उसकी, जीवन व्यथा, क्यूँ पूछे कि कैसे लगा एक वृक्ष बीज को, बोनसाई हो जाना....,' डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने अपनी कविता 'मैंने देखा है थके हुए शरीरों को बोझ उठाते जीवन का, हारी हुई सांसों को ऋण चुकाते बची ख़्वाहिशों का...., वहीं कवि प्रमोद वैष्णव ने अपनी चिर परिचित रचना 'बहुत फड़फड़ाते हैं जब काग़ज,. तब रख देता हूँ उनपर कुछ शब्द कुछ पंक्तियां, पेपरवेट की तरह, बेचारे काग़ज़, इनमें छुपे जज़्बात के बोझ तले पड़े रहते हैं, श चुपचाप.....,' सुनाकर गोष्ठी को साहित्यिक उँचाईयां प्रदान की।

नवीन बोहरा 'पंछी' ने 'मेरी आंखों से आंखें अपनी निकालकर ले जाओ, मुझे जीना भी तो है, जीने तो दे....., सुनाई। कार्यक्रम का संचालन वाजिद हसन क़ाज़ी ने किया तथा मज़ाहिर सुलतान ज़ई ने आभार व्यक्त किया इस अवसर पर मोहम्मद सुलैमान, रहमतुल्लाह ख़ान और अद्वैत बोहरा का सहयोग रहा। वरिष्ठ पत्रकार एवं शाइर स्वर्गीय आदिल अख़्तर को दो मिनट के मौन के साथ श्रद्धांजलि दी गई।

मैं आधिकारिक तौर पर सभी प्रारूपों से रिटायर नहीं हुआ हूं। मेरी योजना बंगलादेश जाकर एकदिवसीय, अंतरराष्ट्रीय टी-20 और टेस्ट की एक पूरी सीरीज खेलने के बाद रिटायर होने की है। - शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान, अपने रिटायरमेंट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नेमार

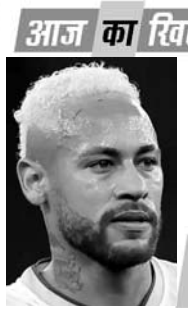

सैंटोस ने क्रूज़ेरो को 3-0 से हराकर ब्राज़ीलियन सीरी ए में अपना स्थान बचा लिया। बता दें कि ये वही क्लब है जिसने दुनिया को पेले जैसा महान खिलाड़ी दिया था और 2023 में पहली बार अवनति का सामना करना पड़ा था। मौजूद जानकारी के अनुसार इस सीजन में वापसी के बाद टीम ने आख़िरी मैच में आत्मविश्वास दिखाया है। नेमार, जो चोट के बाद लगातार रिकवरी के दौर से गुज़र रहे हैं, मैच के बाद भावुक नज़र आए और पुष्टि की कि वे अब घुटने की सर्जरी करवाएंगे। गौरतलब है कि जनवरी में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सीमित मैच खेले।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी जीत इंग्लैंड के नाम है. इंग्लैंड ने 7 सितंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साउथेम्प्टन में 342 रनों से जीत कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर-रेट के लिए भारत पर लगा जुर्माना

दुबई, 8 दिसंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है। राहुल ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर रॉड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगजस्की और चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल ने यह आरोप लगाये थे।

स्क्वैश वर्ल्ड कप में भारत की चार सदस्यीय टीम उतरेगी

चेन्नई, 8 दिसंबर। भारत की मेजबानी में मंगलवार से शुरु हो रहे स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में अनाहत सिंह, जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और वेलवन सेंथिलकुमार की चार सदस्यीय टीम उतरेगी। विश्व स्क्वैश द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट का पांचवां संस्करण है और लगातार तीसरी बार चेन्नई में आयोजित किया जा रहा है। स्क्वैश वर्ल्ड कप में 12 देश, जिसमें डिफेंडिंग चैंपियन मिस्त्र और पिछले संस्करण के उप मलेशिया शामिल हैं, मिश्रित टीम खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। भारत की शीर्ष रैंक वाली महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह वर्ल्ड कप में डेब्यू करेंगी। 17 साल की अनाहत स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी होंगी। अनुभवी जोशना चिनप्पा 2023 में भारत को कांस्य पदक दिलाने के बाद वापसी कर रही हैं। अनाहत सिंह और जोशना चिनप्पा ने इस साल की शुरुआत में एशियन स्क्वैश युगल चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष वर्ग में अभय सिंह उनके साथ वेलवन सेंथिलकुमार भी होंगे, जो स्क्वैश वर्ल्ड कप में डेब्यू करेंगे। इस जोड़ी ने पिछले टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 2024 और 2025 एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप और 2022 पुरुष एशियन स्क्वैश टीम चैंपियनशिप जीतकर सफलता हासिल की है। ग्रुप स्टेज के लिए टीमों को तीन-तीन के चार पूल (ए से डी) में बांटा गया है, जिसके बाद हर पूल से टॉप दो टीमें क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। हर टीम की फाइनल रैंक तय करने के लिए क्लासिफिकेशन मैच भी होंगे। स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 टीमें और पूल इस प्रकार है:- पूल ए हांगकांग चीन, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य। पूल बी भारत, ब्राजील, स्विट्जरलैंड। पूल सी मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड। पूल डी जापान, मिस्त्र, ईरान।

अबू धाबी 2025 : लैंडो नॉरिस ने पहला फॉर्मूला-1 विश्व खिताब जीता

आबूधाबी, 8 दिसंबर। अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स के समापन के साथ रविवार शाम फ़ॉर्मूला-1 इतिहास में एक नया मोड़ दर्ज हुआ, जब लैंडो नॉरिस ने अपने करियर का पहला वर्ल्ड ड्राइवर्स' चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया हैं। बता दें कि नॉरिस ने यह खिताब अधिक संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में हासिल किया, क्योंकि उन्हें आख़िरी रेस में तीसरा स्थान पाकर मैक्स वेरस्टैपेन और अपने ही टीम साथी ऑस्कर पियास्त्री को अंकतालिका में पीछे छोड़ना पड़ा। सीज़न के अंतिम रेस-डे में नॉरिस सिर्फ़ दो अंकों के बेहद मामूली अंतर से चैम्पियन बने, जो किसी भी ड्राइवर की मानसिक दृढ़ता का संकेत है। रेस खत्म होते ही टीम रेडियो पर नॉरिस की भावनाएँ साफ सुनाई दीं, जहाँ वे काफ़ी देर तक संयत नहीं रह पाए। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, थैंक्यू सो मच आई लव यू मम, आई लव यू डैड। मौजूद जानकारी के अनुसार, टीम प्रिंसिपल ज़ैक ब्राउन ने भी इसे फ़ॉर्मूला-1 के सबसे रोमांचक अंत में से एक बताया और कहा कि यह जीत सिर्फ़ टीम के लिए नहीं बल्कि खेल के इतिहास में भी एक अलग अध्याय जोड़ती है। गौरतलब है कि नॉरिस ब्रिटेन के ऐसे पहले ड्राइवर बन गए हैं जिन्होंने 2020 में लुईस हैमिल्टन के बाद विश्व खिताब जीता है। यह उपलब्धि मैकलारेन के लिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह टीम के इतिहास में 13वां वर्ल्ड ड्राइवर्स' टाइटल है। आधी सदी पहले 1974 में एमर्सन फ़िटिपाल्डी ने इसी टीम के लिए पहला खिताब जीता था और उसके बाद से टीम के लिए जेम्स हंट, निकी लौडा, अलैन प्रोस्ट, एर्टन सेना, मिका हक्किनेन और हैमिल्टन जैसे महान नाम चैम्पियनशिप दर्ज करा चुके हैं।

कटक टी-20 में जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम

कटक, 8 दिसंबर। भारतीय टीम मंगलवार को बाराबती स्टेडियम की रोशनी में हालिया फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में जीत के साथ आगाज करना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज आश्चर्यचकित कर सकते है।

भारत कल आत्मविश्वास के साथ सीरीज में उतरेगा। इस साल के एशिया कप में अजेय रहने और ऑस्ट्रेलिया में 2-1 से कड़ी टक्कर वाली जीत के साथ, उनमें आत्मविश्वास और दम दोनों हैं। इस प्रारुप में एक विश्व चैंपियन टीम, वे विस्फोटक बल्लेबाजी को एक विविध और खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के साथ मिलाते हैं।

अभिषेक शर्मा, जो हमेशा शीर्ष पर एक जीवंत चिंगारी रहे हैं, पावरप्ले में लय सेट करने का प्रयास करेंगे। शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा बीच में स्थिरता के साथ स्ट्राइक रोटेट करने और शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। वहीं अगर निचले क्रम की बात की जाये तो हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और शिवम दुबे, या हर्षित राणा, वह गहराई और फिनिशिंग टच देते हैं जो कुछ ही पलों में खेल का रुख बदल सकता है।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण गति, स्विंग और स्पिन का एक संगम है। जसप्रीत बुमराह, जो शायद दुनिया के सबसे धारदार तेज गेंदबाजों में से एक हैं, आक्रमण की अगुवाई करेंगे, जिसमें अर्शदीप सिंह अपनी चतुराई और सटीकता से उनका साथ देंगे। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल अपनी स्पिन वैरायटी से किसी भी बल्लेबाजी को मुश्किल में डाल सकते हैं।

वहीं अगर दक्षिण अफ्रीका की बात की जाये तो वह हाल के टी-20 में उतार-चढ़ाव वाली फॉर्म के साथ आई है, जिसे पाकिस्तान और नामीबिया से हार का सामना करना पड़ा है। वे क्विंटन डी कॉक और एडन मारक्रम के अनुभव पर भरोसा करेंगे ताकि शुरुआत में ही लय बनाई जा सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स और डेवाल्ड ब्रेविस पर बीच के ओवरों में पारी को संभालने की जिम्मेदारी होगी। निचले क्रम में, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे खिलाड़ी तेजी से रन जोड़ सकते हैं, लेकिन मेहमान टीम जानती है कि वे धीमी शुरुआत का जोखिम नहीं उठा सकते।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी की अगुवाई खतरनाक एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी कर रहे हैं। वे अपनी गति और सटीकता से मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते है। मार्को यानसन की उछाल और अतिरिक्त तेजी एक और रोमांच जोड़ती है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका को यहां सफल होने के लिए, भारत की बल्लेबाजी फॉर्म के खिलाफ उनका प्रदर्शन शानदार करना होगा।

बाराबती स्टेडियम में आमतौर पर एक अच्छी पिच होती है, जिसकी बाउंड्री 65 से 70 मीटर के बीच होती है। लाइट्स में लाल मिट्टी की पिच अतिरिक्त गति और उछाल दे सकती है, जबकि शाम की ओस लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में हो सकती है। एक प्रतिस्पर्धी स्कोर 180-190 रन के आसपास रहने की संभावना है।

ऐतिहासिक रूप से, भारत का टी-20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पलड़ा भारी रहा है, पिछले आठ मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दो जीत हासिल की हैं। विश्लेषकों का सुझाव है कि भारत की फॉर्म, परिस्थितियों से परिचित होना और संतुलित टीम उन्हें पसंदीदा बनाती है, हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी की गहराई यह सुनिश्चित करती है कि मुकाबला अभी भी सरप्राइज से भरा हो सकता है।

संभावित टीमें इस प्रकार है:-

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, शिवम दुबे और हर्षित राणा।

दक्षिण अफ्रीका: क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडन मारक्रम (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, मार्को यानसन, एनरिक नॉर्टजे, लुंगी एनगिडी, कॉर्बिन बॉश, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज और डोनोवन फरेरा।

गिल और पांड्या स्वस्थ तथा पूरी तरह फिट हैं : यादव

कटक, 8 दिसंबर। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु होने वाली टी-20 सीरीज से पहले कहा कि शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या पूरी तरह से स्वस्थ तथा फिट हैं।

सूर्यकुमार ने कहा, ''दोनों गिल और पांड्या स्वस्थ और फिट दिख रहे हैं।'' गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में अकड़न हो गई थी, जबकि हार्दिक सितंबर में एशिया कप के दौरान लगी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर थे। गिल चोट के बाद से अभी तक नहीं खेले हैं, लेकिन हार्दिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की। बड़ौदा के लिए खेलते हुए, उन्होंने हर मैच में एक विकेट लिया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने दोनों बार चार ओवर फेंके। बल्ले से, पंजाब के खिलाफ 42 गेंदों में उनके 77 रन नाबाद ने उनकी टीम को 223 रनों का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

भारतीय कप्तान ने कहा, ''आपने एशिया कप में भी देखा था, जब वह हार्दिक नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे, तो उन्होंने प्लेइंग इलेवन के संबंध में हमारे लिए बहुत सारे विकल्प, कॉम्बिनेशन खोल दिए थे। यही वह टीम में लाते हैं। उनका अनुभव, जिस तरह से उन्होंने सभी बड़े मैचों, सभी आईसीसी, एसीसी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि वह अनुभव बहुत काम आएगा और उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को अच्छा संतुलन मिलेगा।''

गिल के टीम में वापस आने के साथ सूर्यकुमार ने यह स्पष्ट किया कि संजू सैमसन को मिडिल ऑर्डर में जगह के लिए जितेश शर्मा से मुकाबला करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि ओपनर्स को छोड़कर सभी बल्लेबाजों को ऑर्डर में अपनी स्थिति के संबंध में लचीला होना होगा।

उन्होंने कहा, ''जब संजू टीम में आए, तो उन्होंने ऑर्डर में ऊपर बल्लेबाजी की। अब बात यह है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को लचीला होना होगा। जब उन्होंने पारी की शुरुआत की तो उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन शुभमन ने उनसे पहले श्रीलंका सीरीज में खेला था, इसलिए वह उस जगह के हकदार हैं। लेकिन हमने संजू को मौके दिए। वह किसी भी नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है जो वास्तव में एक खिलाड़ी को नंबर तीन से छह तक कहीं भी बल्लेबाजी करने के लिए लचीला देखना अच्छा है। यही एक बात मैंने सभी बल्लेबाजों से कही है कि ओपनर्स के अलावा, सभी को बहुत लचीला होना होगा। दोनों सैमसन और जितेश टीम की योजनाओं में शामिल हैं। इन दोनों जैसे शानदार खिलाड़ी टीम में होना हमेशा अच्छा होता है।

जूनियर महिला हॉकी विश्वकप : भारतीय टीम ने वेल्स को 3-1 से हराया

सैंटियागो (चिली), 8 दिसंबर। भारतीय टीम ने महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 के नौ से 16वें क्लासिफिकेशन मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया। सैंटियागो में सेंट्रो डेपोर्टिवो डी हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में रविवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए हिना बानो ने (14वें), सुनेलिता टोप्पो ने (24वें), और इशिका ने (31वें) मिनट में गोल किए, जबकि वेल्स के लिए एकमात्र गोल एलोइस मोटने (52वें) मिनट में किया। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके विपक्षी टीम पर दबाव बनाया। भारत ने नियमित अंतराल पर मौके बनाए लेकिन शुरुआती गोल जल्दी नहीं कर पाया। वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक से बढ़त बनाने का अवसर मिला था, लेकिन निधि ने शानदार बचाव करते हुए उनके प्रयास को विफल कर दिया। पहले क्वार्टर के आखिर में साक्षी राणा के शानदार खेल के बाद हिना बानो के टैप-इन से भारत आखिरकार डेडलॉक तोड़ने में कामयाब रहा।

हेनरी, सैंटरनर, नाथन स्मिथ वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के बाकी मैचों से हुए बाहर

वेलिंगटन, 8 दिसंबर। न्यूजीलैंड टीम के तीन गेंदबाज मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिशेल सेंटनर चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी (पिंडली में खिंचाव), तेज गेंदबाज ऑलराउंडर नाथन स्मिथ (साइड में खिंचाव) और स्पिन-गेंदबाज ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर (ग्रोइन इंजरी) के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी घरेलू टेस्ट सीरीज से बाहर होने की पुष्टि की हैं।

उन्होंने बताया कि क्राइस्टचर्च में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल ग्लेन फिलिप्स को आधिकारिक तौर पर सीरीज के बाकी मैचों के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। डेरिल मिशेल, जिन्होंने पहले टेस्ट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर लंबा समय बिताया था, दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे और मिडिल ऑर्डर के मुख्य खिलाड़ी के तौर पर टीम में वापस आएंगे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल क्राइस्टचर्च में पहले दिन बल्लेबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वेलिंगटन में दूसरे टेस्ट से पहले ही बाहर हो गए थे। मिशेल हे को टीम में शामिल किया गया है और वह टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज माइकल रे को टेस्ट टीम में बुलाए जाने के एक दिन बाद, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क को भी टीम में शामिल किया गया। काइल जैमीसन और विल ओरूर्के रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल को मैनेज कर रहे थे, जिससे न्यूजीलैंड को आखिरी मिनट में रिप्लेसमेंट ढूंढने में दिक्कत हो रही थी। क्योंकि वेलिंगटन टेस्ट 10 नवंबर को शुरू होने वाला है।

ईस्ट बंगाल को हराकर एफसी गोवा ने तीसरी बार जीता सुपर कप

गोवा, 8 दिसंबर। एफसी गोवा ने पेनल्टी शूटआउट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट बंगाल एफसी को 6-5 से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। यहां पंडित जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में खेला गया खिताबी मुकाबला अतिरिक्त समय के बाद भी गोल रहित रहा, सुपर कप का पहला फाइनल बन गया जिसका फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मैच की शुरुआत में दोनों टीमों ने कई गोल करने के मौके बनाये लेकिन वे 120 मिनट में गोल करने में नाकाम रही।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी : राजस्थान को पहली पारी में बढ़त

जयपुर, 8 दिसंबर। अंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी (राजस्थान ने ओडिसाको फॉलोऑन खिलाया), ग्वालियर में खेले जा रहे राजस्थान - ओडिसाअंडर 16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज अनुराग की शानदार गेंदबाजी की सहायता से राजस्थान ने ओडिसा की पहली पारी को सस्ते में समेत फॉलोऑन खिलने पर मजबूर किया। राजस्थान पहली पारी 320 आल आउट। ओडिसापहली पारी 146 आल आउट। टीम के लिए आशुतोष 69, औरोबिंद्रा 32, ओम प्रकाश 24 रन। राजस्थान के गेंदबाज अनुराग 35/5, प्रतीक चौधरी, रोहन 2-2 विकेट प्राप्त किये।ओडिसा दूसरी पारी 151 / 1, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ओडिसा ने अपनी दूसरी पारी में 1 विकेट के नुकसान पर 151 रन बना लिए थे, टीम के लिए आशुतोष नाबाद 84 व औरोबिंद्र नाबाद 38 रन बनाकर खेल रहे हैं।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी - राजस्थान - मुंबई मैच (पहले दिन का स्कोर), मुंबई में खेले जा रहे राजस्थान - मुंबई अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच के पहले दिन का स्कोर :- मुंबई पहली पारी 213/7, पहले दिन का खेल समाप्त होने तक मुम्बई ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 213 रन बना लिए थे। टीम के लिए अभिनव 57, आर्यन 56, तनवीर 34 व हर्ष 26 रन। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 41/3, प्रखर शर्मा, शुभांकर त्यागी, नावेद खान, कुशाग्र ओझा प्रत्येक 1-1 विकेट।

सैयद मुशताक अली टी20 ट्रॉफी (राजस्थान - झारखण्ड मैच), झारखण्ड पारी 215/5, टीम के लिए विराट सिंह 69, रोबिन 58 व कुमार 55 रन।राजस्थान के गेंदबाज अशोक शर्मा, मानव सुथार, साहिल दीवान, अजय सिंह कुकना 1 - 1 विकेट।राजस्थान पारी 179 आल आउट।टीम के लिए करण लाम्बा 52, दीपक हुड्डा 28, महिपाल लोमरोर 23, मुकुल चौधरी 23 रन। झारखण्ड के गेंदबाज सुशांत 21 / 3 व अनुकूल 37 / 3 विकेट।

टी-20 विश्वकप से पहले पाक टीम में नहीं होगा कोई बड़ा बदलाव : सलमान

कराची, 8 दिसंबर। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने अगले साल फरवरी में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्वकप से पहले टीम में कोई बड़े बदलाव की संभावना से इंकार करते हुए कहा कि हर किसी को उसकी भूमिका बता दी गई, हम उसी के साथ आगे बढ़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, पाकिस्तान टूर्नामेंट के अगले संस्करण में अच्छी फॉर्म में उतरेगा, क्योंकि इस साल की शुरुआत में सलमान के टी-20 कप्तान बनने के बाद से टीम ने सबसे छोटे फॉर्मेट में हाल ही में सफलता हासिल की है।

संस्कार क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 8 दिसम्बर। जयपुर कप सीजन- 1 में आपनी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 21.1 ओवर में 61 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। विशाल शर्मा ने सर्वाधिक 21 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से आदित्य झाला ने 5, आशीष चोपड़ा ने 3 और अभिषेक यादव ने 2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार क्रिकेट अकादमी ने 5.4 ओवर में 62 रन 1 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। दिव्यांशु ने सर्वाधिक 39 रनों का योगदान दिया। आपनीक्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक ने एक विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच आदित्य झाला को चुना गया।

रौनक राकेश गुप्ता के शानदार शतक से राजीव गांधी की आसान जीत

जयपुर, 8 दिसम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज बचे हुये सात लीग मैच प्रारम्भ हुये हुकम क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज पर खेले गये पूल-एफ के अन्तिम मैच में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने रोनक राकेश गुप्ता 106 रन की शतकीय पारी की बदौलत इंवेट क्रिकेट एकेडमी को 133 रन से हराकर 2 अंक अर्जित कर पूल-एफ में पहले स्थान पर पंहुच गई।

टॉस जीतकर राजीव गांधी क्रिकेट एकडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये ओपनर रोनक राकेश गुप्ता 106 रन (56 गेंद, 16 चौके, 2 छक्के), नितिन अमरोठिया 41 रन के साथ मिलकर पहले विकेट पर 10.3 ओवर में 133 रन जोड़कर शानदान शुरूआत की उसके बाद अलीशान 23 रन नाबाद के साथ मिलकर निर्धारित 20 ओवर में टीम का स्कोर 3 विकेट खोकर 219 रन पंहुचा दिया। गेंदबाजी में ईवेंट क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्ष खेमवानी 36 रन पर 2 विकेट, हिमांशु मुरजानी 41 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में सोनी ईवेंट क्रिकेट एकेडमी की ओर से विराज माथुर 20 रन, मोहित 21 रन, भुवनेश कुमार चांदा 13 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज राजीव क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजी देवांक सिंगोदिया 15 रन पर 3 विकेट सोम्य अग्रवाल 12 रन पर 2 विकेट, सूरत सैन 25 रन पर 2 विकेट तथा गगन सोनी व शुभम गुर्जर प्रत्येक 1-1 विकेट की शानदार गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 16.2 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गयी। इस मैच का मैन ऑफ दी मैंच रोनक राकेश गुप्ता राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी रहें।

ओपन मिस्टर इंडिया चैम्पियनशिप का आयोजन

जयपुर, 8 दिसंबर। इंडो बॉडी बिल्डर्स फिटनेस एसोसिएशन द्वारा ओपन मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप का आयोजन प्रताप नगर स्थित निर्मला ऑडिटोरियम में किया गया। इसमें 200 से अधिक प्लेयर्स ने भाग लिया, जिसमें चैंपियन ऑफ चैंपियन साकिब रनर अप का खिताब महफूज को मिला और मोस्ट इंप्रूव बॉडीबिल्डर के रूप में इमरान अहमद विशाल ने मास्टर्स में प्रोकार्ड जीता। प्रतियोगिता में 76 वर्षीय सरफुद्दीन ने भी भाग लिया। फेडरेशन के अध्यक्ष मंसूर खान एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मोइन खान ने जानकारी साझा की।

आरसीए सीनियर व अंडर-23 वीमेन टीम के प्रदर्शन पर आयोजित हुई मैराथन समीक्षा बैठक

जयपुर 8 दिसंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल के अनुसार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी व राजस्थान के खेल मंत्री कर्नल राजवर्धनसिंह राठौड़ के राज्य में खेल के विकास व विस्तार सहित देश, विदेश के खेल जगत में राजस्थान को अठाणी राज्य बनाने के विजन हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी हर स्तर पर अथक प्रयास कर रही है। आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशानुसार आज बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अभीतक आयोजित राष्ट्रिय वीमेन सीनियर व अंडर 23 प्रतियोगिताओं में राजस्थान वीमेन सीनियर व अंडर 23 टीमों व खिलाडियों के प्रदर्शन की समीक्षा हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल की उपस्तिथिमें आयोजित हुए मैराथन मीटिंग (लगभग 4 घंटे) राजस्थान वीमेन चयन कमेटी व वीमेन टीमों के सपोर्ट स्टाफ, टीम की कप्तान, उपकप्तान की संयुक्त समीक्षा मीटिंग आरसीएअकादमी पर आयोजित की गयी।

एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल के अनुसार आज आरसीए अकादमीपर आयोजित समीक्षा मीटिंग में विशेष रूप से बीसीसीआई प्रतियोगिताओं में राजस्थान वीमेन टीम की स्थिति,टीम व खिलाडियों के प्रदर्शन सहित आगामी प्रतियोगिताओं में खिलाडियों के बेहतर प्रदर्शन व टीमों की तैयारियों की समीक्षा के साथ सभी के सुझावों पर गहन चर्चा हुई। समीक्षा मीटिंग में मेंटोर गंगोत्री चौहान, वीमेन चयन कमेटी चेयरवेमन पूनम यादव, सभी चयन कमेटी सदस्य, राजस्थान सीनियर वीमेन टीम के हेड कोच राकेश बत्रा, अंडर 23 वीमेन टीम की हेड कोच रेनू यादव, राजस्थान सीनियर वीमेन टीम कप्तान ज्योति चौधरी, राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम की उपकप्तान सिद्दी शर्मा सहित राजस्थान सीनियर व 23 वीमेन टीम स्पोर्ट स्टाफ मौजूद था।

एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल ने समीक्षा मीटिंग में बीसीसीसीआईकी राष्ट्रिय सीनियर व अंडर 23 प्रतियोगिताओं में राजस्थान टीमों के आशानुरूप परिणाम न आने व खिलाडियों के औसत प्रदर्शन के सम्बन्ध में एडहॉक कमेटी के दृश्टिकोणसे सभी चयनकर्ताओं व टीम के स्पोर्टस्टाफ को अवगत कराया व भविष्य की प्रतियोगिताओं में राजस्थान टीम की जीत व खिलाडियों के उच्च स्तरीय प्रदर्शन के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए चयनकर्ताओं, टीम के स्पोर्ट स्टाफ को निर्देश दिए।

पांच इंटरनेशनल खिलाड़ी भाग लेंगे, रघु सिंहा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस 2025 टूर्नामेंट कल से

जयपुर, 8 दिसम्बर। रघु सिन्हा टेनिस क्लब के अनुसार इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन, यूनाइटेड किंगडम की देखरेख में होने वाला रघु सिंहा आईटीएफ मास्टर्स 400 टेनिस 2025" टूर्नामेंट 10 से 14 दिसम्बर तक होने वाला है। यह टूर्नामेंट जयपुर के एक ग्लैमरस और जाने-माने व्यक्ति रघु सिन्हा की याद में मनाया जाता है, जो बहुत ही दार्शनिक, धार्मिक और परोपकार के लिए समर्पित थे। टेनिस के बहुत बड़े प्रेमी, सिन्हा ने लगभग 40 साल पहले बिड़ला हाउस में टेनिस कोर्ट बनवाए थे, जहाँ आज भी यह खेल उनके बताए सिद्धांतों के अनुसार खेला जाता है।

सुरेन्द्र गोलेछा ने बताया कि यह संगठन द्वारा आयोजित तीसरा आईटीएफ टूर्नामेंट है। इस इवेंट की प्रतिष्ठा में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है, 2023 में आईटीएफ 100 लेवल से बढ़कर 2024 में आईटीएफ 200 हो गया है, और अब इस साल आईटीएफ 400 लेवल पर

पहुँच गया है। टूर्नामेंट को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, जिसमें दुनिया भर के जाने-माने खिलाड़ियों की आईटीएफ रैंकिंग मज़बूत है।

कुल एंट्री: 150 पुरुष और 18 महिला प्रतिभागी आई है

पुरुष आयु कैटेगरी : 40, 45, 50, 55, 60, 65, 70, और 75। महिला आयु कैटेगरी: 35 और 45 रहेगी। मिक्स्ड डबल्स: 35 और 45। इसमें 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

मैच ज़्यादातर जयपुर क्लब लिमिटेड की तरफ़ से चार क्ले कोर्ट पर होंगे। ज़्यादा एंट्री को देखते हुए, 11 और 12 दिसंबर को होने वाले मैचों के लिए जय क्लब में चार और कोर्ट बनाए गए हैं।

सुधीर माथुर के अनुसार टूर्नामेंट के मेन स्पॉन्सर रघु सिन्हा माला माथुर ट्रस्ट हैं, वेन्यू पार्टनर जयपुर क्लब लिमि

प्रवासी राजस्थानी विभाग देश-विदेश के राजस्थानियों को राज्य की प्रगति में भागीदार बनायेगा

अब तक 8738 प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थानी दिवस आयोजन में पंजीकरण कराया

जयपुर, 8 दिसम्बर। बीते माह 'राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' के गठन से जुड़े फैसले को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। यह विभाग विश्व पटल पर ब्रांड राजस्थान को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही, देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों को जोड़ते हुए, उन्हें उनके ज्ञान, कौशल, निवेश और नेटवर्क के माध्यम से राज्य की प्रगति में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित करेगा। प्रवासियों से जुड़े मुद्दों के समाधान हेतु पॉलिसी फ्रेमवर्क तैयार करने, प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक्सचेंज कार्यक्रमों का आयोजन और प्रवासी राजस्थानियों का डेटाबेस तैयार करने का कार्य भी इस विभाग द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दुनिया भर में बसे नॉन रैज़िडैंट राजस्थानी (एन.आर.आर.) के बीच राजस्थान के तीज-त्योहार, कला, विरासत और सांस्कृतिक परंपराएं जीवंत बनी रहें, इसके लिए भी राज्य सरकार पहल कर रही है। राजस्थान फाउंडेशन अपने चैप्टर्स के माध्यम से देश-विदेश में तीज, गणगौर, दिवाली, होली, मकर संक्रान्ति सहित, विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक त्योहारों का ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजन करेगा। इन कार्यक्रमों में एनआरआर एसोसिएशन्स की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

इसी क्रम में, प्रवासी समुदाय के योगदान को सम्मानित करने के लिए पहली बार प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन भी आगामी 10 दिसम्बर को किया जा रहा है। देश-विदेश से अब तक 8,738 प्रवासी राजस्थानियों ने आयोजन में शामिल होने के लिए अपना पंजीकरण कराया है। विज्ञान, कला, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, खेल, साहित्य और सामाजिक सेवा सहित, विभिन्न श्रेणियों में प्रवासी राजस्थानियों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने के लिए प्रवासी राजस्थानी सम्मान अवार्ड्स समारोह का आयोजन किया जाएगा।

> ■ राजस्थान फाउंडेशन अपने चैप्टर्स के माध्यम से देश-विदेश में तीज, गणगौर, दिवाली, होली, मकर सक्रांति आदि धार्मिक व सांस्कृतिक त्योहारों का ऑनलाइन और ऑफलाइन आयोजन करेगा, जिनमें एन.आर.आर. एसोसिएशन भी भागीदार होंगे।

मुर्शिदाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मस्जिद स्मारक 300 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें एक अस्पताल, गेस्ट हाउस और एक मीटिंग हॉल भी बनेगा। इस घोषणा पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ समेत राजनीतिक नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

इस बीच, मुश्ताक मलिक अपने रुख पर कायम हैं। उन्होंने कहा, "कोई भी बाबर के नाम को लेकर चिंता न करे। इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि अयोध्या मस्जिद बनाने के लिए कोई राजस्व बाबर की तरफ से आया था। यह संभव है कि मूल बाबरी मस्जिद बाबर नाम के किसी स्थानीय व्यक्ति के नाम पर रखी गई हो। भाजपा और आरएसएस बाबर के नाम को बड़ा मुद्दा बनाना चाहते हैं। बाबर का शासन काल बहुत छोटा था।"

ऐतिहासिक ग्रंथों का हवाला देते हुए मलिक ने कहा कि तुलसीदास की रामायण बाबरी मस्जिद के निर्माण के 60 साल बाद लिखी गई थी। "लेकिन उस रामायण में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि उसी स्थान पर राम मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी।"

इंडिगो ही नहीं सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बहुत कम मुनाफ़े, एविएशन टरबाइन फ्यूल (ए.टी.एफ.) पर ऊँचे टैक्स, पर्याप्त हवाईअड्डा-क्षमता की कमी और अनिश्चित नियमों की वजह से। ज़रा-सी भी संचालन संबंधी दिक्कत पूरे देश में अव्यवस्था फैला सकती है। स्थिति इतनी खिंची हुई है कि किसी एक बड़ी एयरलाइन की आंतरिक गलती पूरे सिस्टम को प्रभावित कर देती है, हज़ारों यात्रियों को परेशानी होती है और पूरा नेटवर्क अस्त-व्यस्त हो जाता है।

इस अस्थिरता को लगातार बनी रहने वाली मैनपावर की कमी और बढ़ा देती है। पायलट, इंजीनियर और ग्राउंड स्टाफ पर अक्सर काम का बोझ ज्यादा होता है और कर्मचारियों द्वारा त्यागपत्र देने की दर भी ऊँची बनी हुई है, क्योंकि भारतीय एयरलाइंस वैश्विक स्तर की तनख़्वाहें देने में सक्षम नहीं हैं।

प्रशिक्षण की व्यवस्था भी तेज़ी से बढ़ते बेड़े के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है, जिससे कमजोरियाँ पैदा होती हैं और ज़रा-सी स्टाफिंग या शेड्यूलिंग की दिक्कत आते ही सामने आ जाती हैं। इंडिगो की घटना ने यह साफ कर दिया कि क्षमता उपयोग को ज़रूरत से ज़्यादा बढ़ाने के प्रयास कभी-कभी पूरे सिस्टम की मजबूती को कमज़ोर कर देते हैं।

> ■ मानें न मानें, भारत की सबको हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की महत्वकांक्षा काफी कमज़ोर नींव पर आधारित है।

नियामक दखल के सुधार की भी जरूरत है। डी.जी.सी.ए. ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी निगरानी क्षमता को मज़बूत किया है, लेकिन कार्रवाई अक्सर पहले से रोकने के बजाय, घटना के बाद ही होती है।

भारत के "एविएशन बूम" को ऐसे नियामक की ज़रूरत है, जिसके पास बेहतर विश्लेषण की क्षमता हो, जोखिम का पहले से आकलन करने वाले आधुनिक उपकरण हों और तेज़ी से निर्णय लेने की व्यवस्था हो। लेकिन मौजूदा स्थिति में एयरलाइनें और नीति-निर्माता अक्सर जनता के सामने समस्या आने के बाद ही आग बुझाने में लगते हैं, बजाय इसके कि पहले से सिस्टम की कमियाँ दूर की जाएँ।

ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) भी एक बड़ी रुकावट है। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाईअड्डे पहले से ही लगभग पूरी क्षमता पर काम कर रहे हैं, और दूसरे स्तर के हवाईअड्डों पर भी बढ़ते यात्री भार को संभालने में मुश्किल आ रही है। भीड़भाड़, सीमित एयरसाइड क्षमता, जैसे रनवे, टैक्सीवे, पार्किंग स्पॉट, एप्रन, एरोब्रिज वाले गेट, ए.टी.सी. क्षमता और ग्राउंड हैंडलिंग संसाधन आदि की वजह से ज़रा-सा संचालन संबंधी झटका भी देशभर में अव्यवस्था फैला सकता है।

अगर भारत वास्तव में इंडिगो जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकना चाहता है, तो सुधार केवल किसी एक एयरलाइन को दंडित करने तक सीमित नहीं रहने चाहिए। सुधार पूरे सिस्टम को मजबूत करने वाले हों, जैसे ए.टी.एफ. टैक्स को तर्कसंगत बनाना, नियामक क्षमता को मजबूत करना, प्रशिक्षण ढांचे को विस्तार देना, हवाईअड्डों का आधुनिकीकरण करना और एयरलाइंस की तैयारी के उच्च बुनियादी मानकों को लागू करना। देश की विमानन महत्वाकांक्षाएँ कमज़ोर नींव पर नहीं टिक सकतीं। इंडिगो की यह घटना एक चेतावनी की तरह है: भारत को केवल क्षमता नहीं, बल्कि मजबूती भी बनानी होगी।

'कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल पहले दो अन्तरे ही गाए जाएं।"

इसके साथ ही, कांग्रेस ने यह भी स्वीकार किया था कि कोई भी व्यक्ति "किसी अन्य गीत को... 'वन्दे मातरम्' गीत के अतिरिक्त या इसके स्थान पर गाने के लिये स्वतंत्र है।"

लेकिन अब भाजपा का कहना है कि ये कुछ अन्तरे हटाना कांग्रेस की 'विभाजनकारी' योजनाओं को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने विभाजन का जिक्र करते हुये कहा कि इन अन्तरों को हटाने से "देश के विभाजन के बीज बोए गए।" उन्होंने नवम्बर में कहा था, "1937 में, 'वन्दे मातरम्' का एक हिस्सा काट दिया गया था... इसे अलग कर दिया गया था। इस विभाजन ने देश के विभाजन के बीज बोए। आज की पीढ़ी को यह समझना जरूरी है कि क्यों।"

पिछले महीने भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने इस विवाद की शुरुआत करते हुये, नेहरू द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सितंबर और अक्टूबर 1937 में लिखे गए पत्रों का "एक्स" पर पोस्ट किया था।

केशवन ने अपनी पोस्ट में लिखा, "नेहरू कट्टरता से लिखते हैं कि जो भी 'वन्दे मातरम्' के शब्दों को देवी से संबंधित समझे, वह बेतुका है," हालांकि सितंबर के पत्र में इस संदर्भ में नेहरू ने यह कहा था कि गीत के शब्दों का देवी से कोई संबंध समझना बेतुका है, न कि ऐसा समझने वाला व्यक्ति।

'इंडिगो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्लॉट आवंटन और इसके व्यापक निजीकरण रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। एनडीए के भीतर से यह अप्रत्याशित विद्रोह और भी जटिल हो गया है, क्योंकि सहयोगी जरूरी जवाबदेही और जनता के लिए तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं।

एयरलाइन संचालन में समस्याएं जारी हैं, राजनीतिक परिणाम और भी गहरे हो रहे हैं। इस वर्तमान संकट में, सरकार पर दबाव विपक्ष से नहीं, बल्कि इसके अपने सहयोगियों से आ रहा है, जिससे विमानन संकट पूर्ण राजनीतिक सिरदर्द में बदल गया है।

सुनील शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1994 में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित हुए थे, बाद में पदोन्नत होकर आईएएस बने थे। उन्हें 2013 का आईएएस बैच आवंटित किया गया था। राज्य सरकार ने उन्हें जनवरी 2024 में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का निदेशक बनाया था।

बताया जा रहा है कि नियुक्ति से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सूचना आयुक्त की नियुक्ति को लेकर सोमवार दोपहर में बैठक हुई थी। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल शामिल हुए। तीनों की कमेटी ने सुनील शर्मा के नाम की सिफारिश राज्यपाल से की। इसके बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए।

> ■ वे पूर्व आईएएस अधिकारी हैं तथा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में टीकाराम जूली व जोगाराम पटेल ने उनके नाम का चयन किया।

'सरकार ने वंदे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेहरू और सुभाष बोस के पत्रों से प्रासंगिक अंश पढ़कर सुनाए, और बाद में नेहरू और रवीन्द्रनाथ टैगोर के बीच हुये पत्राचार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत चुनने की प्रक्रिया को समझने के लिए इन घटनाओं की क्रोनोलॉजी समझना ज़रूरी है।"

प्रियंका गांधी ने कहा, "मैं गुरुदेव (रवीन्द्र नाथ टैगोर) के पत्र का एक अंश साझा करती हूँ, जिसमें वे कहते हैं कि जिन दो पदों का हमेशा गायन होता रहा है, वे इतने अर्थपूर्ण हैं कि उन्हें बाकी कविता से अलग करने में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। आज़ादी की लड़ाई के दौरान भी यही दो पद गाए जाते थे, और उन हज़ारों शहीदों का सम्मान करने के लिए, जिन्होंने अपनी जान न्योछावर की। इसलिए इन्हें वैसे ही गाया जाना उचित है। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में जो अन्य पद जोड़े गए थे, उन्हें सांप्रदायिक रूप में देखा जा सकता है और उस समय के माहौल में उनका उपयोग उचित नहीं होता।

प्रियंका ने आगे बताया कि 28 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पारित करके वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था।

गोवा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बजे 6ई 1073 फ्लाइट लेकर फुकेट(थाईलैंड) निकल गए थे। गोवा पुलिस ने रेस्टोरेंट बार मालिक गौरव और सौरभ लूथरा के दिल्ली के घर टीम भेजी लेकिन वो घर पर नहीं मिले। इनके घर पर गोवा पुलिस ने नोटिस चस्पा किया है, गोवा पुलिस की रिक्वेस्ट पर 7 दिसंबर को दोनों के खिलाफ एलओसी जारी कर दी गई थी, जिससे दोनों देश छोड़कर न भाग सकें लेकिन दोनों पहले ही फरार हो चुके हैं। गोवा पुलिस ने सीबीआई की मदद से इंटरपोल के जरिए इनकी लोकेशन ट्रेस करने के लिए कोशिश शुरू कर दी है।

वन रक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षा पेपर लीक मामले का खुलासा होने के बाद से फरार चल रहा था। वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद बांसवाड़ा जिले के राजतलाब थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। राजस्थान एसओजी इसकी जांच कर रही है। आरोपी जबराराम बालोतरा जिले के कालवा गांव का निवासी है और वह बाड़मेर जिले के रामजी का गोल गांव के सरकारी स्कूल में अध्यापक पद पर तैनात है। उसकी गिरफ्तारी पर एसओजी ने 50 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908